

पेज 8

‘मायसा’
से बदलेंगी
रश्मिका
की इमेज

दैनिक

हिंदमाता

मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुखा खबर

जल्द
होगी
धोनी की
वापसी?

8 पेज



सुप्रभात

सुख और आनंद ऐसे
इत्र हैं, जिन्हें जितना
अधिक आप दूसरों पर छिड़केंगे,
उतनी ही अधिक सुगंध आपके
अंदर आएगी। - **एमरसन**



मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (20 अप्रैल)
6:57 बजे, सूर्योदय
(21 अप्रैल) 6:17 बजे, तापमान: **32 डिग्री** से. (थूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

पोर्टल पर अरुणाचल की जगह चीन का नाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में पहली बार डिजिटल जनगणना की तैयारी के बीच एक बड़ी तकनीकी गलती ने विवाद खड़ा कर दिया है। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट शहर को जनगणना के सेलब-एन्यूमरेशन पोर्टल पर चीन के शहर मेडोंग के नाम से दिखाया गया। इस घटना के सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी फैल गई और इसे देश की संभ्रुता से जोड़कर देखा जाने लगा। यह मामला तब सामने आया जब रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी मोहोती पाणिग पाओ ने इस गलती को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर पासीघाट की लोकेशन गलत दिख रही थी, जिससे वह अपनी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए।

20-22 अप्रैल के बीच आंधी-तूफान का अलर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आने वाले दिनों में मौसम का भिजाज बदलने वाला है। राज्य सरकार की ओर से जारी एवर्नमान के अनुसार 20 से 22 अप्रैल के बीच राज्य के कई हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान गरज-चमक और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। मौसम के खराब होने की संभावना के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से जानकारी साझा की गई है। साथ ही राज्य को किसानों और नागरिकों को बेहतर सुझाव और सलाह दी गई है। इस दौरान कृषि विभाग ने भी किसानों से अपील की है कि वे कटी हुई फसलों को सुरक्षित रखें।

मंत्री नितेश राणे के खिलाफ जमानती वारंट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कैबिनेट मंत्री नितेश राणे की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मुंबई की माझगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने नितेश राणे के खिलाफ जामीनपत्र वारंट जारी किया है। अदालत ने शिव सेना सांसद संजय राऊत की ओर से दायर मानहानि के एक मामले में वे फंसला लिया है। नितेश राणे महाराष्ट्र सरकार में बंदरगाह विकास और मत्स्य पालन मंत्री हैं। मई 2023 में राणे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और सोशल मीडिया के जरिए संजय राऊत पर तीखा हमला बोला था। नितेश राणे ने दावा किया था कि संजय राऊत जल्द ही उड़व टाकरे का साथ छोड़कर एनसीपी में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने राऊत की तुलना एक सांप से की थी।

करोड़ों की ड्रस के साथ विदेशी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एंटी-नारकोटिक्स सेल (एनएनसी) की वरली यूनिट की टीम गश्त के दौरान शनिवार रात करीब 11:15 बजे जब खार पश्चिम स्थित सी-सैंड बिल्डिंग के पीछे पहुंची, तभी एक अफ्रीकी मूल का व्यक्ति संदिग्ध हालत में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ड्रगे इन्जीनियर नजोऊ (39) बताया। वह मूल रूप से नाइजीरिया का रहने वाला है और फिलहाल नालासोपारा में रह रहा था। तलाशी के दौरान उसकी बैग से 113 ग्राम कोकीन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 2.14 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा, बैग से 7.20 लाख रुपए की 24 ग्राम एमडीएमए टैबलेट्स बरामद हुईं।

हिंदमाता एंकर:

हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं, जो विविध प्रकार के माइक्रोबायोम बनाते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया की बढ़त को रोकते हैं, पाचन में मदद करते हैं और सेहत को बेहतर बनाते हैं

क्या माउथवॉश हृदय के लिए हानिकारक होता है? जानिए क्या कहते हैं अध्ययन

हिंदमाता डेस्क @ मुंबई

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में दावा किया गया है कि माउथवॉश से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है और हृदय की सेहत को नुकसान हो सकता है। कुछ वीडियो के अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि माउथवॉश मुंह के उन अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देता है, जो हृदय और रक्त-प्रणाली के लिए जरूरी होते हैं। यह सुनने में चौंकाने वाला लग सकता है लेकिन आपको अभी अपना माउथवॉश फेकने की जरूरत नहीं है। सचचाई इससे कहीं ज्यादा जटिल है।

सेहत को बेहतर बनाते हैं बैक्टीरिया



एक्सेटर (ब्रिटेन) विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जोआना लुह्वरु का कहना है कि हमारे मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं। ये सभी मिलकर एक संतुलित और विविध प्रकार के माइक्रोबायोम बनाते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया की बढ़त को रोकते हैं, सामान्य मेटाबॉलिज्म में मदद करते हैं और मुंह व शरीर की कुल सेहत को बेहतर बनाते हैं।

नाइट्रेट को नाइट्राइट में बदलना मुख्य काम बैक्टीरिया का एक अहम काम है हमारे भोजन (खासकर हरी पत्तेदार सब्जियों) में मौजूद नाइट्रेट को नाइट्राइट में बदलना। जब हम नाइट्राइट निगलते हैं, तो शरीर इसे नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। यह प्रक्रिया नाइट्रेट-नाइट्राइट-नाइट्रिक ऑक्साइड प्रक्रिया (या एंटरोसेलिबरी प्रक्रिया) कहलाती है। यह एक उदाहरण है कि बैक्टीरिया कैसे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्तचाप को नियंत्रित करने और मस्तिष्क व मांसपेशियों के काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन कुछ ऑनलाइन इन्फ्लुएंसर्स का कहना है कि माउथवॉश हृदय के लिए इसलिए खराब है क्योंकि यह उन अच्छे बैक्टीरिया को प्रभावित करता है जो नाइट्रिक ऑक्साइड बनाते हैं।

माउथवॉश और हृदय की सेहत के बीच संबंध कई अध्ययनों में पाया गया है कि माउथवॉश इस्तेमाल करने से मुंह के बैक्टीरिया का संतुलन बदल सकता है। इससे संज्ञियों के नाइट्रेट को नाइट्राइट में बदलने की क्षमता कम हो सकती है जो शरीर को नाइट्रिक ऑक्साइड बनाने के लिए चाहिए होता है। 19 स्वस्थ लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन्होंने सात दिन तक क्लोरहेक्सिडीन माउथवॉश इस्तेमाल किया तो उनका रक्तचाप थोड़ा बढ़ गया और नाइट्राइट का स्तर कम हो गया।

एंटीसेप्टिक माउथवॉश का सीमित इस्तेमाल करें

एक अन्य अध्ययन में 27 स्वस्थ लोगों ने एक हफ्ते तक दिन में दो बार 0.12% क्लोरहेक्सिडीन माउथवॉश इस्तेमाल किया जिससे उनका ब्लड प्रेशर बढ़ गया। एक और परीक्षण में 15 उच्च रक्तचाप वाले लोगों के शरीर में तीन दिन तक क्लोरहेक्सिडीन के उपयोग से ब्लड प्रेशर और बढ़ गया। यहां एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इन अध्ययनों में किस तरह का माउथवॉश इस्तेमाल किया गया। ज्यादातर अध्ययनों में क्लोरहेक्सिडीन दिया गया जो एक मजबूत एंटीसेप्टिक माउथवॉश है। इसे आमतौर पर मसूड़ी या दांतों के इलाज के बाद कम समय के लिए इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

रोजमर्रा के माउथवॉश का असर

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हल्के रोजमर्रा के माउथवॉश का असर भी ऐसा ही होगा। एक अध्ययन में 12 स्वस्थ लोगों पर तीन तरह के माउथवॉश और कुल्ला करने के पानी (तुलना के लिए) का असर देखा गया। नाइट्रेट से भरपूर जूस पीने के बाद यह मापा गया कि कितना नाइट्रेट नाइट्राइट में बदला। पानी और हल्के माउथवॉश (जिसमें क्लोरहेक्सिडीन जैसे तेज तत्व नहीं थे) में सामान्य बदलाव देखा गया। सबसे कठोर क्लोरहेक्सिडीन माउथवॉश ने इस प्रक्रिया को लगभग पूरी तरह बंद कर दिया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इसमें कीटाणु नाशने की शक्ति ज्यादा होती है। ऐसे माउथवॉश का इस्तेमाल करने पर ऊपरी ब्लड प्रेशर बढ़ता हुआ भी देखा गया।

स्कूझाइवर से गोदकर 43 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा भायंदर

काशीमीरा इलाके में शुक्रवार आधी रात एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आई है, जहां एक 43 वर्षीय व्यक्ति की बेरहमी से स्कूझाइवर चोंपकर हत्या कर दी गई। आरोपी सागर सालुंखे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

मृतक को पहचान प्रकाश उल्हास वालुंज (43) के रूप में हुई है, जो डाचकुल पाड़ा स्थित संत रोहिदास वेलेफेयर सोसाइटी का निवासी था। वह पेशे से टेम्पो ड्राइवर था और काशीगांव के नीलकमल नाका पर वाहन चलाता था।

एक महीने पहले पत्नी और बच्चों को भेजा था गांव

बताया जा रहा है कि करीब एक महीने पहले उसने अपनी पत्नी और बच्चों को पुणे जिले के राजगुरुनगर स्थित अपने गांव भेज दिया था। पुलिस के अनुसार, काशीमीरा क्षेत्र में रहने वाले आरोपी सागर की प्रेमिका पर प्रकाश की बुरी नजर थी।

जमीन विवाद में जादूटोना का आरोप

भिवंडी में सनसनी, मामला दर्ज, गिरफ्तारी नहीं

विवाद ने लिया अंधविश्वास का रूप

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी तालुका के कोशंबे गांव में जमीन विवाद को लेकर जादूटोना और अघोरी कृत्य का चौकाने वाला मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

शिकायत और आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीपक दामोदर पवार (28) ने गणेशपुरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रभाकर परशुराम पवार और भावेश प्रभाकर पवार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था।

अघोरी कृत्य का आरोप

शिकायत के मुताबिक, 14 अप्रैल 2026 की रात आरोपियों ने दीपक के भाई और उनकी पत्नी को नुकसान पहुंचाने के इरादे से घर के पीछे फोटो रखकर उसके चारों ओर नींबू, नावल, कुकू, उड़द, इत्र और अगरबत्ती के साथ कथित जादूटोना किया। परिजनों ने उन्हें मौके पर पकड़ लिया, जिसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस जांच जारी

पुलिस ने महाराष्ट्र जादूटोना प्रतिबंध अधिनियम 2013 और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल मामले की जांच जारी है, लेकिन अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

महिला आरक्षण पर विपक्ष पर निशाना

सीमा सिंह बोलीं-नारियों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मेधाश्रेय फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण को रोककर विपक्ष ने महिलाओं के प्रति अपनी दोहरी मानसिकता उजागर की है। उन्होंने कहा कि देश की नारियां आने वाले समय में इसे माफ नहीं करंगी। सीमा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना है। इसी सोच के तहत महिलाओं की आवाज को सदन में मजबूत करने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन विपक्ष ने इसे खारिज कर महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं और किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। ऐसे में उनके प्रतिनिधित्व को बढ़ाना समय की मांग है। सीमा सिंह ने विश्वास जताया कि देश की महिला शक्ति इस मुद्दे को गंभीरता से लेगी और अपने मताधिकार का प्रयोग कर उचित जवाब देगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार हैं।

हिंदमाता एंकर: **पनवेल नगर निगम ने जारी की लिस्ट, अभिभावकों को चेतावनी**

पनवेल में अवैध स्कूलों पर एक्शन

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

नवी मुंबई के अंतर्गत आने वाले पनवेल नगर निगम (पनवेल मनपा) ने बिना सरकारी अनुमति चल रहे प्राइमरी स्कूलों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। मनपा ने ऐसे स्कूलों की सूची जारी करते हुए अभिभावकों को सतर्क रहने की अपील की है। पनवेल मनपा के आयुक्त मोशे चितले ने स्पष्ट किया है कि अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला केवल मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही कराएं। बिना अनुमति संचालित स्कूलों में एडमिशन लेने से बच्चों के भविष्य पर असर पड़ सकता है।

ठाणे बेलापुर बेल्ट का मेगा प्रोजेक्ट रुका

●विवाद के बीच रद्द हुआ स्लम रीडेवलपमेंट टेंडर

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे-बेलापुर

महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने आखिरकार ठाणे-बेलापुर इंडस्ट्रियल बेल्ट में 338 एकड़ कब्जे वाली झुग्गियों के रीडेवलपमेंट के लिए एक प्राइवेट डेवलपर का विवादित टेंडर रद्द कर दिया है।

जिसके चलते झोपडपट्टी पुनर्वसन योजना लटक गई है। दिघा-पेरोली से शिरवणे तक फैली 35,800 झुग्गियों को इस प्रोजेक्ट के लिए योग्य माना गया था। टेंडर में विवादित शर्तों और प्रोजेक्ट को लागू करने में पूरी पारदर्शिता की कमी के कारण इसका विरोध हुआ था। वन मंत्री गणेश नाईक ने इसके खिलाफ आंदोलन करने की धमकी दी थी, इस परियोजना को लागू करने से पहले, टेंडर में एक बड़ी शर्त यह रखी गई थी कि इसके लिए सिर्फ उसी डेवलपर को चुना जाएगा जो 1900 से ज्यादा परिवारों को फिर से बसाने की क्षमता रखता हो।

नवी मुंबई मनपा ने भी जताया था एतराज

स्थानीय लोगों को इस बारे में जब जानकारी मिली तो नवी मुंबई के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गयी थी। वन मंत्री गणेश नाईक ने इस प्रोजेक्ट का सबके सामने विरोध किया था और कहा था कि 'इस प्रोजेक्ट को डेवलप करते समय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अंधेरे में रखा जा रहा है',

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एमडीएमए ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार

5 करोड़ की एक्स्टेसी जळ

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में एएनसी घाटकोपर टीम और साकोनाका पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 5 करोड़ रुपए की एमडीएमए (एक्स्टेसी) ड्रग्स जळ की है। इस मामले में टिटवाला निवासी 36 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया है, जिसे ड्रग्स सप्लाय नेटवर्क की अहम कड़ी माना जा रहा है।

जांच में हुआ खुलासा

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में की गई। इस प्रकरण में पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। आगे की जांच और तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि गिरफ्तार महिला ही एक्स्टेसी टैबलेट्स की मुख्य सप्लायर है।

छापे में भारी बरामदगी

जांच के दौरान पुलिस ने टिटवाला स्थित उसके ठिकाने पर छपा मारकर 4056 एक्स्टेसी टैबलेट्स (करीब 2030 ग्राम) बरामद कीं, जिनकी बाजार कीमत लगभग 5.07 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इससे पहले भी आरोपी के पास से 104 ग्राम एमडीएमए (करीब 26 लाख रुपए) जळ किया गया था।

आगे की कार्रवाई जारी

महिला को रिवार सुबह गिरफ्तार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। इस कार्रवाई को एएनसी घाटकोपर के पीआई अभिमत अहिरराव और पीआई राहुल लोखंडे की टीम ने आगे दिया। पुलिस अब इस ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अक्षय तृतीया के अवसर पर मुंबादेवी मंदिर में आम्र महोत्सव की धूम

रसीले आमों से किया गया मां का शृंगार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश भर के मंदिरों में अक्षय तृतीया के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ दर्शन के लिए पहुंच रही है। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत में भगवान विष्णु और नरसिंह भगवान को चंदन के लेप से ठंडक प्रदान की जा रही है, तो वहीं मुंबई के प्रसिद्ध देवी मंदिर मुंबादेवी में आम महोत्सव पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। मुंबादेवी मंदिर में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी आम महोत्सव मनाया जा रहा है। मुंबादेवी मंदिर के व्यवस्थापक हेमंत जाधव बताते हैं कि महाराष्ट्र में आम की पैदावार सबसे ज्यादा होती है। यहां का हापुस आम पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। मुंबादेवी महाराष्ट्र के लोगों की कुल देवी है। इसलिए आम उत्पादन करने वाले किसान अक्षय तृतीया के दिन अपने बगीचे का आम लाकर मां के चरणों में अर्पित करते हैं। किसानों, व्यापारियों, तथा देवी भक्तों द्वारा लाए गए आमों से मां का शृंगार किया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि आम का निर्यात करने वाले व्यापारी भी विदेशों में अपना माल भेजने से पहले मां के चरणों में अपने व्यापार की मंगल कामना करते हैं। इस वर्ष आज ही के दिन अक्षय तृतीया पड़ रही है। इस दिन भारी संख्या में देवी भक्त एकात्रित होकर इस आम महोत्सव का दर्शन कर अपने को भाग्यशाली मानते हैं। मुंबादेवी के नाम पर ही मुंबई का नाम रखा गया था। मां को मुंबई की रक्षिका के तौर पर पूजा जाता है।

बढ़ती गर्मी के बीच भिवंडी में हीट स्ट्रोक अलर्ट

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

बढ़ती गर्मी के बीच भिवंडी में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए मनपा प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर नागरिकों को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक बिना जरूरी काम के घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। मनपा के अनुसार, मौसम विभाग ने अप्रैल माह में महाराष्ट्र में हीट वेव की चेतावनी दी है। खासकर कोंकण क्षेत्र में गर्म और उमस भरे मौसम के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। प्रशासन ने लोगों से अधिक पानी और ओआरएस पीने, हल्के

एमआईडीसी ने नहीं किया था कोई अध्ययन

यह भी दावा किया गया था कि यह प्रोजेक्ट, जो ठाणे-बेलापुर बेल्ट में दिघा से शिरवणे तक तीन हिस्सों में लागू किया जाएगा, धारावी रीडेवलपमेंट के बाद सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा, जिसके बाद नवी मुंबई की राजनीति में और सामाजिक क्षेत्र में इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी। इस प्रोजेक्ट के चलते नवी मुंबई के औद्योगिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य होने वाला था, जिससे एक नया शहर बनता। अगर ठाणे बेलापुर बेल्ट में 338 एकड़ की बड़ी जमीन को स्लम रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए डेवलप किया जा रहा है, लेकिन एमआईडीसी ने इस बारे में कोई अध्ययन नहीं किया था कि इससे नवी मुंबई शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर पर कितना और कैसे असर पड़ेगा। साथ ही, इस योजना को लागू करते समय 2013 तक की झुग्गियों को माना जाने वाला था। 'एमआईडीसी' ने इस बात का कोई जिक्र नहीं दिया था कि यह क्राइटेरिया किस बेसिस पर तय किया गया था। इस बारे में टेंडर कैसिल कर दिए गए हैं। आगे की बातचीत, सभी को विश्वास में लेकर और लाभार्थियों के साथ बातचीत के बाद आगे के फैसले लिए जाएंगे।

ट्रैफिक से राहत की तैयारी

मेट्रो, रिंगरोड व डबल डेकर परियोजनाओं से बदलेगा कल्याण-डोंबिवली

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण-डोंबिवली के नागरिकों को जल्द ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में मेट्रो, रिंगरोड और अन्य परियोजनाओं के जरिए यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा।

परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

एमसीएचआई प्रॉपर्टी प्रदर्शनी में बोलते हुए शिंदे ने कहा कि मेट्रो-5, रिंगरोड, डबल डेकर सड़कों और नई कनेक्टिविटी मार्ग तेजी से विकसित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर महापौर हवालॉ चौधरी, आयुक्त अभिनव गोयल और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रिंगरोड से ट्रैफिक डायवर्ट

शहर के ट्रैफिक को बाहर डायवर्ट करने के लिए रिंगरोड परियोजना में भूमि अधिग्रहण तेजी से किया जा रहा है। साथ ही जेएनपीटी-वडोदरा हाईवे को कल्याण से जोड़ने की दिशा में भी काम चल रहा है।

भिवंडी में दो जगह भीषण आग

टिंबर मार्ट और डाइंग कंपनी में नुकसान, जनहानि टली

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी तालुका में अलग-अलग स्थानों पर लगी भीषण आग की घटनाओं से हड़कंप मच गया। कोण गांव के कोनतरी इलाके में स्थित एक टिंबर मार्ट और शेलार क्षेत्र की एक डाइंग कंपनी में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हुआ। हालांकि दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात है।

टिंबर मार्ट में भारी नुकसान

कोनतरी इलाके के टिंबर मार्ट में आग लगते ही लकड़ी का पूरा गोदाम चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही कल्याण और भिवंडी महानगरपालिका की फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपए की लकड़ी जलकर खाक हो चुकी थी।

डाइंग कंपनी में आग

वहीं शेलार क्षेत्र स्थित देवाआकास डाइंग कंपनी में भी अचानक भीषण आग भड़क उठी। आग इतनी तेज थी कि कंपनी परिसर में रखा माल जल गया। भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के अग्निशमन दल ने समय रहते पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया और आसपास फैलने से रोका।

जांच जारी, उठे सवाल

दोनों घटनाओं में आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। संबंधित विभाग जांच में जुटा है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शॉर्ट स्टोरी

माइकलाइट मैराथन में 750 धावकों ने लिया हिस्सा

हिंदमाता संवाददाता @ कुर्ला

कुर्ला पश्चिम स्थित सीईएस माइकल हार्ड स्कूल द्वारा आयोजित 5वीं माइकलाइट मैराथन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस आयोजन में 750 से अधिक प्रतिभागियों-छात्र, अभिभावक और शिक्षकों ने भाग लेकर क्षेत्र में ऊर्जा और एकजुटता का माहौल बनाया। 'रन फॉर युनिटी' थीम पर आधारित इस मैराथन ने कुर्ला के प्रमुख सामुदायिक आयोजनों में अपनी पहचान बनाई। प्रतिभागियों ने अनुशासन, खेल भावना और उत्साह का शानदार प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन प्रचानाचार्या डॉ. सैवी मेंडोका के नेतृत्व में निदेशक जीन मोजेस गोम्स और संस्थापक मोजेस माइकल गोम्स के मार्गदर्शन में किया गया। विनोबा भावे नगर पुलिस स्टेशन और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से सुरक्षा और यातायात की समुचित व्यवस्था की गई। इस मौके पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलमाली, पुलिस अधिकारी संतोष माने और मुंबई उत्कल स्कूल के अध्यक्ष सुर्य गौड़ा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मैराथन ने फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ ही सामुदायिक एकता को भी मजबूती दी, जिससे यह आयोजन क्षेत्र में खास पहचान बनाने में सफल रहा।

राज्यपाल से ब्राह्मण महासभा की भेंट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई/हैदराबाद

अखिल भारतीय कायकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजि.) एवं कायकुब्ज ब्राह्मण समिति, हैदराबाद के पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन, हैदराबाद में राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने ब्राह्मण समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। भेंट के दौरान पदाधिकारियों ने राज्यपाल को आगामी 24-25 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय अ. शुक्ला के नेतृत्व में संगठन देशभर में ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। संस्था विवाह जैसे सामाजिक कार्यों में सहयोग देने के साथ समाज को एकजुट करने के प्रयास भी लगातार कर रही है। इस प्रतिनिधिमंडल में अनिल कुमार बाजपेई, विनय तिवारी, अजय अ. शुक्ल, अरुण शुक्ल, महेश मिश्रा, एडवोकेट अशोक तिवारी, आकांक्षा बाजपेई, राजेश अग्निहोत्री और अचित मिश्रा सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

कल्याण में पीएनजी परियोजना शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पश्चिम के नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे इंतजार के बाद घर-घर सुरक्षित गैस आपूर्ति देने वाली पीएनजी (पाइप नेचुरल गैस) परियोजना का रविवार को शुभारंभ किया गया। इससे अब लोगों को गैस सिलेंडर की झंझट से मुक्ति मिलने की उम्मीद है। महानगर गैस के माध्यम से शुरू हुई इस योजना के पहले चरण में कस्तूरी लॉन्स, सुप्रिया सोसायटी और वाघवा मेडोज जैसे प्रमुख आवासीय परिसरों को पाइपलाइन गैस सुविधा से जोड़ा जाएगा। इससे नागरिकों को सुरक्षित और निरंतर गैस आपूर्ति मिल सकेगी। परियोजना का उद्घाटन आरटीओ रोड स्थित आइकॉन हॉल के सामने, रवि पाटिल के निवास के पास किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। रवि पाटिल ने कहा कि परियोजना क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे लोगों के जीवन में सुविधा और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी।

तुलसी मानस में एलुमनाई मीट आयोजित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

परेल स्थित श्री तुलसी मानस मंदिर और श्री तुलसी मानस हिन्दी माध्यमिक विद्यालय के 70 वर्ष पूर्ण होने पर सुंदरकांड पाठ और एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दशकों बाद लौटे पूर्व विद्यार्थियों ने एक मंच पर आकर पुरानी यादों को ताजा किया और संस्थान से अपने जुड़ाव को साझा किया। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब रहा, जब पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद रमेश दुबे 67 वर्ष बाद अपने विद्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनके समय में धर्म शिक्षा अनिवार्य थी, जिसने उन्हें समाज और परिवार के प्रति जिम्मेदार बनाया। उन्होंने इसे अपने जीवन की मजबूत नींव बताया। मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष अमरजीत मिश्र ने सुंदरकांड पाठ से कार्यक्रम की शुरुआत को संस्थान की परंपरा के अनुरूप बताया। वहीं दस्ती माणिक लाल शाह ने पूर्व छात्रों की बड़ी भागीदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि उनके सहयोग से संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। पूर्व विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष एन. के. पांडेय ने इसे पीढ़ियों को जोड़ने वाला प्रयास बताया। उद्योगपति राजपति तिवारी ने 53 साल बाद लौटने पर भावुक होते हुए कहा कि यहां आकर बचपन की यादें ताजा हो गईं। प्राचार्य अमित सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व छात्रों का यह जुड़ाव वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

दुबे के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान को लेकर शिवसेना (ठाकरे गुट) का विरोध तेज हो गया है। भिवंडी में शिवसेनियों ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और आक्रोश व्यक्त किया। शिवसेना के भिवंडी पूर्व-पश्चिम सह-संघ के प्रमुख मनोज गंगे और जिला प्रमुख उमेश कोडलेकर के नेतृत्व में मध्यवर्ती शाखा के सामने आंदोलन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने निशिकांत दुबे के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके पोस्टर पर जूते मारकर विरोध दर्ज करवाया। प्रदर्शन में महिला अघाड़ी की जिला संगठक दीपाली जैन, महानगर प्रमुख दिलीप नाईक, महेंद्र कुंभार, सुभाष (नाना) झळके, गजेंद्र गुळवी, प्रदीप बोडके समेत कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मराठी नेतृत्व और उनके नेताओं का अपमान किसी भी सूत्र से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों का आगे भी कड़ा

भिवंडी में नागरिक सुविधाओं पर संकट

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी में बुनियादी सुविधाओं का संकट लगातार गहरता जा रहा है। जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में देरी, पानी की किल्लत और राशन वितरण में गड़बड़ियों से नागरिक परेशान हैं। लोग दफतरो के वक्कर काट रहे हैं, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। जन्म प्रमाणपत्र को लेकर स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है। एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया लगभग ठप है। इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी ने तहसीलदार अभिजीत घोले को तलब कर जल्द समाधान की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या हल नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। बैठक में अनस अंसारी, अजय यादव, शाफ मोमिन, रियाज आजमी और याकूब शेख सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। शाफ मोमिन ने प्रशासन की धीमी कार्यवाही पर नाराजगी जताई। तहसीलदार घोले ने बताया कि सख्त एसओपी और दस्तावेजों की जांच के कारण प्रक्रिया में देरी हो रही है। बैठक में पानी की कमी और राशन वितरण की समस्याएं भी उठाई गईं। प्रदूषण के चलते कुछ जल स्रोत बंद होने से कई इलाकों में जल संकट गहरा गया है। वहीं ऑनलाइन सिस्टम की खामियों के कारण जरूरतमंदों को पूरा राशन नहीं मिल पा रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है।

नागपुर में सिलेंडर ब्लास्ट का तांडव

चाय बनाते समय घर में हुआ धमाका, पति की मौत

पत्नी और बच्चों सहित 10 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर
 नागपुर जिले से एक हृदयवादाकर घटना सामने आई है। रविवार (19 अप्रैल) की सुबह कामटी इलाके के गांधीनगर सक्जी बाजार स्थित एक घर में गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में घर के मुखिया अतुल उर्फ बंटी दशरथ पंतवाने (40) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के सदस्य और बचाव के लिए दौड़े पड़ोसियों सहित कुल 10 लोग घायल हो गए। इस घटना ने पूरे कामटी क्षेत्र में शोक की लहर पैदा कर दी है। ओल्ड कामटी पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अतुल अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ खुशी-खुशी रह रहे थे। सुबह करीब 8 बजे जब उनकी पत्नी रसोई में चाय बनाने के लिए गईं, तब गैस रिसाव के कारण अचानक आग भड़क उठी। आग ने तुरंत विकराल रूप धारण कर लिया और सिलेंडर तक पहुंच गई, जिसके परिणामस्वरूप एक जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों की खिड़कियां तक हिल गईं।

बेडरूम में फंसे अतुल, परिवार सुरक्षित
 गैस सिलेंडर में धमाका होते ही घर में चारों तरफ काला धुआं और आग की लपटें फैल गईं। अपनी जान बचाने के लिए अतुल की पत्नी और तीनों बच्चे तुरंत घर से बाहर भागने में सफल रहे। हालांकि, अतुल उस समय बेडरूम में सो रहे थे और घुए के ग्युबार के कारण बाहर नहीं निकल पाए। आग की लपटों के बीच दम घुटने से अतुल की दर्दनाक मौत हो गई। बचाव के लिए आए उनके भाई वितय और नितिन सहित पड़ोसी संघा धवले भी आग बुझाने की कोशिश में झुलस गए।

जांच और सरकारी मदद की मांग
 वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रशांत जुमड़े और सहायक पुलिस निरीक्षक मनीष हिवरकर ने घटनास्थल का पंचनामा किया है। पुलिस ने दुर्घटनावश मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अतुल के शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेज दिया गया है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने राज्य सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, क्योंकि घर का मुख्य कमाने वाला सदस्य अब इस दुनिया में नहीं रहा और पूरा परिवार बेघर हो गया है।

यवतमाल से 6 महीने में 34 आदिवासी लड़कियां लापता

‘लव जिहाद’ के एंगल से जांच शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ यवतमाल
 यवतमाल जिले से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। जिले के रालेगांव तालुका में पिछले छह महीनों के भीतर 34 आदिवासी लड़कियों के लापता होने की सनसनीखेज जानकारी सामने आई है। इस मामले ने तब और भी गंभीर मोड़ ले लिया जब भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल चव्हाण ने आरोप लगाया कि इन लड़कियों को वेश्यावृत्ति के लिए विदेशों में बेचा जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक उडके ने पुलिस अधीक्षक को तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। इस पूरे प्रकरण में एक कथित ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रही है, जिसमें एक शख्स और महिला के बीच मानव तस्करी के तौर-तरीकों पर चर्चा हो रही है। क्लिप में ‘मजहर कुरैशी’ नामक व्यक्ति को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। बातचीत से संकेत मिलते हैं कि यह एक सुनिश्चित निरोह है जो लड़कियों को नौकरी या शादी का झंझा देकर पुणे और फिर वहां से अन्य स्थानों पर तस्करी करता है। दावा किया जा रहा है कि इस काम में कल्याणी नामक एक महिला और निगरोह के अन्य सदस्य शामिल हैं, जो मोबाइल के जरिए अपना जाल फैलाते हैं।

विदेशी तस्करी और वेश्यावृत्ति का गंभीर आरोप
 भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल चव्हाण ने गुप्त विभाग की दी गई अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि यह केवल गुमशुदगी का मामला नहीं है, बल्कि एक संगठित ह्यूमन ट्रैफिकिंग सिंडिकेट है। चव्हाण के अनुसार, गरीब आदिवासी परिवारों की नाबालिग बेटियों को पैसों का लालच देकर उनके माता-पिता को भी गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने इस मामले में ‘लव जिहाद’ और धर्मांतरण की संभावनाओं की भी जांच करने की मांग की है। आरोप है कि लड़कियों को तस्करी कर विदेशों में वेश्यावृत्ति के दलदल में धकेला जा रहा है।

जातीय आधार और गहन जांच के निर्देश
 आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक उडके ने उपमंडल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस मामले को जातिगत आधार पर प्राथमिकता दें। चुंकि पीड़ित लड़कियां समाज के सबसे वंचित वर्ग से आती हैं।

तीसरी मुंबई की ओर बढ़े कदम रायगढ़ में 216 एकड़ भूमि का अधिग्रहण

● एमएमआरडीए के सहभागी मॉडल को मिली सफलता

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
 मुंबई और नवी मुंबई के बाद अब रायगढ़ जिले में तीसरी मुंबई बसाने के कार्य की शुरूआत हो चुकी है। नवी मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने के साथ नैना अर्थात नवीमुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोटिफाई एरिया के रूप में रायगढ़ जिले के पेण इलाके में ग्रोथ सेंटर बनाने के साथ एमएमआरडीए को भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में एमएमआरडीए ने अपना काम शुरू कर दिया है। बताया गया कि जन-केन्द्रित एवं पारदर्शी भूमि अधिग्रहण नीति को पहले ही दिन उत्पाहजनक प्रतिसाद मिला है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में सहभागिता समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए।

एमएमआर के लिए नया शहरी इंजन
 मुंबई 3.0 का वास्तविक रूप से एमएमआर का नया शहरी इंजन होगा। रायगढ़ ग्रोथ सेंटर को एक बहुआयामी एवं अमली पौढ़ी के शहरी पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। जिसमें प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय सेवा केंद्र, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर हब,डेटा सेंटर जिला, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, आईटी/आईटीईएस/बीपीओ/केपीओ क्षेत्र,स्वास्थ्य एवं ज्ञान पारिस्थितिकी, लॉजिस्टिक्स, वेंचरहाउसिंग एवं वितरण केंद्र, सामाजिक अवसररचना एवं आवश्यक शहरी सुविधाएं शामिल होंगी।

परियोजना के अपेक्षित परिणाम

इन प्रोजेक्ट से 2 लाख से अधिक उच्च कौशलयुक्त एवं उच्च वेतन वाले प्रत्यक्ष रोजगार, साथ ही बड़े पैमाने पर आल्पाक्ष रोजगार पैदा होंगे। बड़े स्तर पर विदेशी निवेश एवं निजी निवेश आकर्षित होगा। क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण गति मिलेगी।

पुनर्वास योजना: बड़े घर और आधुनिक सुविधाएं

इस मेगा प्रोजेक्ट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू निवासियों का पुनर्वास है। मास्टर प्लान के मुताबिक, कुल 3,702 पात्र निवासियों को 1,600 वर्ग फुट के आलीशान फ्लैट पूरी तरह से नि-शुल्क प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, 328 व्यावसायिक इकाइयों को भी लगभग 987 वर्ग फुट का स्थान आवंटित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत लगभग 1,600 झुग्गीवासीयों को भी 300 वर्ग फुट के नए घरों में शिफ्ट करने की योजना है। इस विशाल निर्माण से एमएमआरडीए के पास आवास का एक बड़ा भंडार जमा हो जाएगा, जो भविष्य की आवास योजनाओं में मील का पत्थर साबित होगा।



नीति से सहमति तक
 एमएमआरडीए आयुक्त डॉ संजय मुखर्जी के अनुसार इस सहभागिता की नीति को विश्वास में बदलने का कार्य मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं डिटी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुआ है। इससे विश्वस्तरीय एकीकृत शहरी विकास परियोजना के वास्तविक क्रियान्वयन को औपचारिक शुरूआत मिली है।

मुंबई 3.0 के लिए रणनीतिक महत्व
 यह चरण मुंबई 3.0 की संकल्पना को नीति स्तर से आगे बढ़ाकर वास्तविक क्रियान्वयन की दिशा में ले जाने वाला है। सहभागितापूर्ण भूमि अधिग्रहण मॉडल की पहली बड़ी सफलता से नागरिकों में विश्वास पर आधारित विकास मॉडल की स्वीकार्यता बढ़ने वाली है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई 3.0 शहरी विकास का एक नया अध्याय है,जो वास्तव में लोगों के लिए और लोगों की सहभागिता से साकार होगा। इस सहभागितापूर्ण मॉडल के माध्यम से हम केवल भूमि का अधिग्रहण नहीं कर रहे हैं, बल्कि विश्वास का निर्माण कर रहे हैं। यह समझौता प्रत्येक नागरिक की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाले विश्वस्तरीय शहर के निर्माण की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उपमुख्यमंत्री एवं एमएमआरडीए के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुंबई 3.0 केवल एक नया शहर बनाने की परियोजना नहीं है, बल्कि इसे लोगों के साथ मिलकर विकसित करने की पहल है। भूधारकों से मिला सकारात्मक प्रतिसाद इस मॉडल पर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने कहा कि सहभागितापूर्ण भूमि अधिग्रहण नीति को मिला प्रतिसाद अत्यंत उत्साहजनक है। अल्प अवधि में 216 एकड़ भूमि का अधिग्रहण नागरिकों के इस मॉडल पर विश्वास को दर्शाता है। मुंबई 3.0 नागरिकों की सहमति से आकार ले रहा है, जहां भूधारक इस विकास प्रक्रिया के सह-निर्माता बन रहे हैं।

मुंबई का नया कायाकल्प

गोरेगांव के मोतीलाल नगर में

1 लाख करोड़ का निवेश करेंगे अदाणी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
 मुंबई के बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट सेक्टर में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। एशिया के सबसे धनी व्यक्ति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह को गोरेगांव परिंचम स्थित मोतीलाल नगर के पुनर्विकास की कमान सौंपी गई है। लगभग 143 एकड़ में फैली यह विशाल परियोजना मुंबई की अब तक की सबसे बड़ी पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है। महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार मास्टर प्लान के अनुसार, इस मेगा प्रोजेक्ट में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने की संभावना है, जो शहर की तस्वीर को पूरी तरह बदल देगा। अडानी रियल्टी ने इस परियोजना के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाकर अपनी निर्माण और विकास क्षमताओं को एक बार फिर साबित किया है। यह प्रोजेक्ट ‘निर्माण एवं विकास एजेंसी’ मॉडल के तहत संचालित किया जाएगा, जिसमें पुराने निवासियों का पुनर्वास और नए फ्लैटों की बिक्री दोनों घटक शामिल होंगे। इस निवेश से न केवल क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

7 वर्षों का लक्ष्य और प्रशासनिक तत्परता
 एमएमएरडीए के सीईओ और उपाध्यक्ष सजीव जायसवाल के अनुसार, इस पूरी परियोजना को चरणबद्ध तरीके से अगले सात वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अडानी समूह को पुनर्वास कार्य समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इतनी बड़ी रीथि का निवेश न केवल निर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करेगा, बल्कि गोरेगांव और उसके आसपास के क्षेत्रों की रियल एस्टेट वैल्यू को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। यह परियोजना ऐसे समय में अडानी समूह को मिली है जब गौतम अडानी ने एक बार फिर मुकुेश अंबानी को पीछे छोड़ते हुए एशिया के खसरे अमीर व्यक्ति का गौरव हासिल किया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयरस इंडेक्स की ताला रिपोर्ट के अनुसार, अडानी की कुल संपति 92.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। वैश्विक व्यापार जगत में अडानी समूह की बढ़ती साख और मुंबई के पुनर्विकास में उनकी बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि आने वाले समय में वे शहरी विकास के प्रमुख स्तंभ बनने जा रहे हैं।



‘स्कूल जिहाद’ पर किरीट सोमैया का प्रहार

‘मस्जिदों में बदल रहे हैं स्कूल,

अवैध घुसपैठियों को मिल रही पनाह’

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
 मुंबई की राजनीति में ‘जिहाद’ के विभिन्न रूपों पर चल रही बहस के बीच भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने एक नया और बेहद गंभीर मोर्चा खोल दिया है। लव जिहाद और लैंड जिहाद के बाद अब सोमैया ने ‘स्कूल जिहाद’ का आरोप लगाते हुए मुंबई नगर निगम और राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। सोमैया का दावा है कि मुंबई में कई इलाकों में शिक्षा की आड़ में न केवल अवैध निर्माण किए गए हैं, बल्कि वहां धार्मिक और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की भी बढ़ावा दिया जा रहा है। किरीट सोमैया ने बीएमसी द्वारा घोषित 164 अनधिकृत स्कूलों की सूची का हवाला देते हुए बताया कि ये स्कूल मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल क्षेत्रों जैसे गोवंडी, मलाड और कुर्ला में स्थित हैं। सोमैया के अनुसार, यह केवल अवैध निर्माण का मामला नहीं है, बल्कि एक गहरी साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि गोवंडी में 65, मालाड में 25 और कुर्ला में 12 स्कूल ऐसे हैं जिन्हें बिना किसी सरकारी अनुमति के चलाया जा रहा है और इनमें से कई जगहों पर स्कूल के बोर्ड के पीछे मस्जिदें बना दी गई हैं।

‘भूमि माफिया’ और घुसपैठियों का कनेक्शन
 सोमैया ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि पिछले 15-20 वर्षों से मुंबई में एक सक्रिय ‘भूमि माफिया’ पहले सरकारी जमीनों पर कब्जा करता है और फिर वहां निजी स्कूल खोल देता है। उन्होंने आरोप कहा, ‘इन स्कूलों का उपयोग मुंबई में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी प्रवासियों को पनाह देने और उनके नेटवर्क को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है।’ सोमैया का आरोप है कि बीएमसी में वर्षों से चले आ रहे भ्रष्टाचार के कारण इन माफियाओं को फलने-फूलने का मौका मिला है।

शिक्षा की आड़ में ‘जिहाद’ फैलाने का आरोप

सोमैया के अनुसार, इन स्कूलों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आधुनिक शिक्षा देना नहीं, बल्कि विशेष प्रकार की विचारधारा थोपना है। उन्होंने दावा किया कि कुछ स्कूलों को गुपचाप मस्जिदों और धार्मिक केंद्रों में बदल दिया गया है, जहां ‘जिहादी’ (स्कूल जिहाद) विचारों का प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने इसे मुंबई की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बताया और कहा कि शिक्षा विभाग और गृह विभाग को इस ‘स्कूल जिहाद’ को तुरंत रोकना चाहिए। किरीट सोमैया ने इस मामले को लेकर गृह विभाग और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। उन्होंने जानकारी दी कि शिक्षा विभाग ने इन अनधिकृत स्कूलों की जांच पूरी कर ली है और अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का सख्त निर्देश

न्यायिक अधिकारी उसी दिन अपलोड करें फैसले

देरी या गलत जानकारी पर निलंबन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
 कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र और गोवा के सभी न्यायिक अधिकारियों को कड़ा निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह अपने द्वारा पारित आदेश और फैसलों को उसी दिन केस इम्फॉर्मेशन सिस्टम सीआईएस सर्वर पर अपलोड करें। पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी एक परिपत्र में उच्च न्यायालय ने चेतावनी दी है कि तथ्य समयसीमा का पालन न करना गंभीर चूक माना जाएगा। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल स्वप्निल सी. खाती द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि महाराष्ट्र और गोवा राज्य के सभी न्यायिक अधिकारी यह ध्यान रखें कि उनके द्वारा पारित आदेश और फैसले उसी दिन सीआईएस सर्वर पर अपलोड किए जाएं। इस निर्देश को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों के माध्यम से सभी न्यायिक अधिकारियों तक पहुंचाया गया है। इसमें कहा गया है कि यदि किसी कारणवश फैसला उसी दिन अपलोड नहीं हो पाता है, तो संबंधित अधिकारी को देरी के कारणों का स्पष्ट विवरण देना होगा। समय पर फैसले अपलोड न करना न्यायिक अधिकारी की नमानदारी से जुड़ा कदमचार है।

के लिए न्यायिक अधिकारियों को अब हर महीने प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह पुष्टि करनी होगी कि उन्होंने अपने आदेश समय पर अपलोड किए हैं। प्रशासन ने गलत जानकारी देने के मामलों में कठोर न बर्दाश्त करने की नीति भी लागू की है। गलत जानकारी पर बिना जांच निलंबन संभवआदेश में कहा गया कि न्यायिक अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि यदि उनके द्वारा दी गई जानकारी में कोई विसंगति पाई जाती है, तो उन्हें बिना विभागीय जांच के निलंबित किया जा सकता है। इसके अलावा, न्यायिक अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि किसी मामले के निपटारे के बाद वे उससे संबंधित फाइल अपने पास न रखें। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुचारु बनाने और वादियों को अदालत के फैसलों तक तुरंत पहुंच उपलब्ध करने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिससे निर्णय सुनाए जाने और उसके आधिकारिक रूप से उपलब्ध होने के बीच का अंतर कम किया जा सके।

गोंदिया में 15 पूर्व नक्सलियों ने चुनी विकास की राह

जिलाधीश गोंदावले ने सौंपे आत्मसमर्पण प्रमाण पत्र

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे
 ‘संवैधानिक जीवन जीने के लिए नई शुरूआत करें और इस नए अवसर का सकारात्मक उपयोग करें’, यह अपील डॉ. मंगेश गोंदावले ने की। वे जिलाधीश कार्यालय में आयोजित आत्मसमर्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे, जहां 15 पूर्व नक्सलियों को जिला स्तरीय सत्यापन समिति के समक्ष आत्मसमर्पण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर समर्पित नक्सलियों का पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गोराख भामरे (पुलिस अधीक्षक), अभय डोंगरे, भैय्यासाहेब बेहरे, गुलवार्ता विभाग के सहायक आयुक्त औटी सक्तिर अन्य अधिकारी और पुलिस कर्मी उपस्थित थे। जिलाधीश गोंदावले ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की पुनर्वास योजनाओं के माध्यम से पूर्व नक्सलियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे मुख्यधारा में शामिल होकर नया जीवन शुरू कर सकें। उन्होंने सभी से नए जोश और उत्साह के साथ आगे बढ़ने की अपील की। पुलिस अधीक्षक भामरे ने बताया कि पुनर्वास प्रक्रिया के तहत समर्पित नक्सलियों को कौशल प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया जा रहा है। साथ ही उनके बुनियादी दस्तावेज भी तैयार किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

युवासेना में हार- जीत का खेल

एकनाथ शिंदे के खास को मंच से रखा दूर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
 मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के युवा संगठन ‘युवासेना’ में चल रही अंतर्कलह अब सार्वजनिक हो चुकी है। शनिवार को मुंबई के वरली में आयोजित राज्यव्यापी ‘महायुवोत्सव’ कार्यक्रम के दौरान यह विवाद उस समय गहरा गया, जब युवासेना के महासचिव और अनुभवी नेता अमेय घोले को मंच पर जगह नहीं दी गई। राज्यभर से आए पदाधिकारियों की मौजूदगी में अमेय घोले जैसे कद्दावर नेता को दरकिनार किए जाने के बाद पार्टी के भीतर गुटबाजी और असंतोष की खबरें तेज हो गई हैं।

मंच पर सचिवों की एंट्री, पर महासचिव गायब
 हैरानी की बात यह रही कि कार्यक्रम के दौरान युवासेना के लगभग सभी सचिवों को सम्मान के साथ मंच पर आमंत्रित किया गया, लेकिन महासचिव पद पर होने के बावजूद अमेय घोले पूरे समय दर्शकों के बीच बैठे नजर आए। घोले केवल एक पदाधिकारी नहीं हैं, बल्कि मुंबई महानगरपालिका में शिवसेना के गटनेता भी रह चुके हैं और तीन बार के पार्षद के रूप में उनका गहरा अनुभव है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खास लोगों में शुमार होने के बावजूद उन्हें इस तरह ‘डाउनग्रेड’ किया जाना पार्टी के भीतर चल रहे शक्ति परीक्षण का संकेत माना जा रहा है।



उल्लेख करते हुए कहा कि यह महिलाओं का अपमान था। उन्होंने कहा कि संसद में इस विधेयक को नामंजूर करना दुर्भाग्यपूर्ण था, और इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन विपक्ष के लिए करारा जवाब है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के अधिकार छीनते समय विपक्ष का खुशी जताना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। उनके अनुसार, यह सिर्फ एक विधेयक की अस्वीकृति नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान पर हमला है। कांग्रेस की आलोचनादूसरी ओर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भाषण प्रचारात्मक था और इसमें कांग्रेस का नाम कई बार लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर सरकार चुनौती व्यवस्था बदलने की कोशिश कर रही है और संविधान तथा लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

पीएम का संदेश विपक्ष के लिए बड़ा तमाचा

डीसीएम शिंदे का कड़ा बयान, महिलाओं के अपमान का जवाब देगी जनता

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को संबोधित किए जाने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी का यह संबोधन विपक्ष के लिए एक बड़ा तमाचा है। शिंदे ने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और तुण्मूल कांग्रेस जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का असर देश की महिलाओं पर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे घटनाक्रम 21 वर्षों की महिलाएं देख रही हैं और वे समय आने पर इसका उचित जवाब देंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही महिलाओं को उनका अधिकार और सम्मान मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि शिवसेना एनडीए सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस लड़ाई में आगे रहेगी। विपक्ष पर तीखी टिप्पणीशिंदे ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर हुई घटनाओं का

विचार प्रवाह



आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिये, और अन्याय का मजबूत हाथों से सामना कीजिये.

– वल्लभभाई पटेल

संपादकीय

गिरा बिल, मचा बवाल

जैसे कि पहले से कायस लगाए जा रहे थे, शुक्रवार को लोकसभा में संविधान में प्रस्तावित 131वां संशोधन बिल मतदान के बाद गिर गया। दरअसल, यह बिल देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाया गया था। राजनीतिक पंडित पहले ही कह रहे थे कि संविधान संशोधन के लिये जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है, जिससे बिल के पारित होने पर संशय था। वैसे ही हुआ और राजग सरकार दो तिहाई वोट हासिल करने में विफल रही। बिल के समर्थन में 298 और इसके विरोध में 230 वोट पड़े। आखिरकार सरकार की ओर से कहा गया कि अब दोनों बाकी प्रस्तावित संशोधन बिलों को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को 33 आरक्षण देने वाले कानून में संशोधन को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र में पिछले कुछ दिनों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस जारी थी। विपक्ष इस संशोधन में शामिल परिसीमन को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहा था। दरअसल, दक्षिण भारत के उन राज्यों में इसको लेकर खासा विरोध था जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण करके आर्थिक विकास को प्राथमिकता बनाया था। उनकी आशंका थी कि परिसीमन विधेयक के अस्तित्व में आने से संसद में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। विपक्ष में का आरोप है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन बिल को पारित करने का उपक्रम महज कुछ राज्यों में हो रहे चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिये था। ताकि महिला वोटरों को लुभाया जा सके। विपक्ष ने संसद में जारी बहस के बीच कानून मंत्रालय द्वारा महिला आरक्षण अधिनियम 2023 को लागू करने के लिये अधिसूचना जारी करने पर भी सवाल उठाये। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण कानून का दशैय संसद और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिये 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का प्रावधान था। मगर राजग सरकार ने प्रस्तावित 131वें संविधान बिल 2026 में सीटों में आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की बात कही थी। दरअसल, विपक्ष इस संशोधन बिल की टाइमिंग और आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की शर्त पर सवाल उठाता रहा है। कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया कि 33 फीसदी आरक्षण को लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर ही लागू करना चाहिए। विपक्ष परिसीमन से उपजी विसंगतियों और दक्षिण के राज्यों की चिंताओं को तर्जोह देने की बात करता रहा है। वहीं सत्ता पक्ष की दलील रही कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध कर रहा है। बिल का मकसद महिला सशक्तीकरण ही है। जिसके लिये इसके लागू करने के तरीके का विरोध किया जा रहा है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि परिसीमन संविधान सम्मत है और बढ़ती आबादी के बाद सीटों को तार्किक बनाये जाने की जरूरत है। इस बीच दोनों पक्षों की ओर से एससी-एसटी के हितों के पैरोकार होने की दलीलें भी दी गईं। सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर उत्तर-दक्षिण का नैरेटिव गढ़ने का आरोप भी लगाया। साथ ही विपक्ष को महिलाओं के आक्रोश की कीमत चुकाने की भी चेतावनी दी। वहीं विपक्ष ने केंद्र पर देश का चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि ये संशोधन दलित व पिछड़े वर्गों के हित में नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठाये गए कि 2011 की जनगणना को आधार बनाकर परिसीमन करना किन्तना न्यायसंगत है। इसके लिये नये जनगणना के आंकड़े आने का इंतजार क्यों नहीं किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने परिसीमन को संघीय ढांचे को प्रभावित करने वाला बताया। उन्होंने महिला आरक्षण लागू करने को परिसीमन से जोड़ने की तार्किकता को लेकर भी सवाल उठाया। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह किसी के साथ भेदभाव करेगी। उन्होंने कहा कि परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 33 फीसदी महिलाओं को यहां आने दें और उन्हें निर्णय करने दें।

आज का इतिहास



आज का इतिहास

- 1999 - जर्मन के पूर्व चांसलर हेल्मुट कोल अमेरिकी सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द प्रेसिडेंशियल मेडल आफ फ्रीडम' से सम्मानित।
 - 2006 - भारत ने अपना पहला विदेशी सैन्य अड्डा ताजिकिस्तान में स्थापित करने की घोषणा की।
 - 2008-महाराष्ट्र भाजपा के नेता व राष्ट्रीय महासचिव गोपीनाथ मुण्डे ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
 - अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ दिन बिताने के बाद पहला दक्षिण कोरियाई अंतरिक्ष यात्री योसोय ओन पृथ्वी पर सफुशल लौटे।
 - 2011 - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के उपग्रह प्रक्षेपण यान 'पीएसएलवी' ने 20 अप्रैल, 2011 बुधवार को तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया।
 - 2012- अमेरिकी मीडिया ने भारत के अफिन-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर कहा है कि इससे भारत को उसके पड़ोसी देश चीन के बराबर में खड़ा कर दिया है।
 - 1914 - गोपीनाथ मोहनती, उड़िया भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार।
 - 1920 - जुथिका रॉय, प्रसिद्ध भजन गायिका।
 - 1924 - चन्द्रबली सिंह, एक लेखक होने के साथ-साथ उत्कृष्ट कोटि के अनुवादक।
 - 1936 - करिया मुंडा - सोलहवीं लोकसभा में सांसद रहे हैं।
 - 1936 - प्रेम शंकर गोयल - प्रसिद्ध भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक हैं।
 - 1950 - चंद्रबाबू नायडू, प्रसिद्ध राजनेता एवं आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री हैं।
 - 1965 - मुकुल संगमा - मेघालय के मुख्यमंत्री।
 - 1972 - ममता कुलकर्णी, भारतीय अभिनेत्री
 - 1895 - मलिक गुलाम मोहम्मद - पाकिस्तान के तीसरे गवर्नर-जनरल थे।
 - 1876 - लाला राम - भारतीय थल सेना के 41वें डेगरा में लॉस नाईक थे।
 - 1947 - गौरीशंकर हीराचंद ओझा, भारत के प्रसिद्ध इतिहासकार थे।
 - 1960 - पन्नालाल घोष - भारत के प्रसिद्ध बांसुरी वादक।
 - 1970- शकील बदायूनी, भारतीय गीतकार और शायर
 - 2004 - कोमल कोठारी - राजस्थान के ऐसे व्यक्ति, जो राजस्थानी लोक गीतों व कथाओं आदि के संकलन एवं शोध हेतु समर्पित थे।
 - 2021 - किशोर नंदलास्कर - बॉलीवुड और मराठी फिल्मों के अभिनेता थे।

संघर्ष की आग में सुलगती ऊर्जा व्यवस्था

अर्थव्यवस्था, आपूर्ति और ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ते खतरे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

समय के बारे में सचेत कर रही हैं, जैसा इस पीढ़ी ने पहले कभी नहीं देखा। ऊर्जा/ ईंधन की अविश्वसनीय कमी, राशनिंग और यहां तक कि कारों और हवाई जहाजों के ईंधन खत्म होने की आशंका। सवाल यह है कि भविष्य का ऊर्जा मानचित्र कैसा दिखेगा ?



- अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

■ ज्यादातर देशों में, विशेष रूप से हमारी दुनिया में, ईंधन आयात व्यापार घाटे पर सबसे अधिक भार है और इस स्थिति में, तेल की बढ़ती कीमतों का अर्थव्यवस्थाओं पर अपग कर देने वाला प्रभाव पड़ता है। वहीं वैश्विक उर्वरक आपूर्ति में आसन्न कमी से किसानों पर भारी मार पड़ने की आशंका है- वे जो पहले से ही जलवायु परिवर्तन से प्रेरित चरम मौसम और विकृत वैश्विक खाद्य कीमतों से जूझ रहे हैं। कुल मिलाकर, दुनिया घुटनों पर है- पसंद से नहीं, बल्कि ईरान के खिलाफ इस संवेदनहीन अमेरिका-इजरायल संघर्ष के प्रति अपनी डरपोक और दयनीय प्रतिक्रिया के कारण। नियम-आधारित व्यवस्था और उसकी सारी नैतिकता तार-तार हो चुकी है।
- ऊर्जा संक्रमण की गति

■ यह हमारे सामने सवाल छोड़ता है कि इस झटके का ऊर्जा पर क्या प्रभाव पड़ेगा? इस अशोभनीय संघर्ष से पहले ही दुनिया ऊर्जा संक्रमण के बीच में थी-बिजली के लिए कोयले को लगातार नवीकरणीय ऊर्जा से बदलना और वाहनों में पेट्रोल और डीजल के उपयोग को विस्थापित करना। अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी की मार्च 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के अंत तक, दुनिया की स्थापित बिजली उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत थी।
- ऊर्जा संक्रमण की गति

■ अब स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण का तर्क राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा में निहित होगा। जैसा कि मैं यह लिख रही हूं, मुझे दुख के साथ स्वीकार करना चाहिए कि भविष्य आसान नहीं होने वाला है। यह वर्तमान समय मुझे बताता है कि एक वैश्विक समाज के रूप में हम पीछे हट रहे हैं। मानवीय विनाश और पतन के इन खंडहरों से टुकड़ों को समेटना लगातार होगा। ऐसी टूटी और विभाजित दुनिया में जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करना हमारे लिए कठिन होगा।
- अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

■ वर्तमान व्यवधान ने ऊर्जा आयात की लागत बढ़ा दी है और देशों को ऊर्जा सुरक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक कर दिया है। तेल और गैस के बाजारों को हासिल करने के लिए फिर से होड़ मची है। यह देशों को अपने स्वयं के संसाधनों- कोयला से लेकर चारकोल तक-का अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित कर सकता है, जो दोनों ही प्रदूषणकारी हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से वैश्विक प्रवाह का लगभग 20 प्रतिशत बाधित हुआ है। इसका मतलब यह हो सकता है कि सस्ते और प्रचुर मात्रा में जीवाश्म ईंधन का समय समाप्त हो गया है।

आंखनदेखी

वाराणसी में एक फेरीवाला सड़क किनारे ताजा नारियल पानी बेचते हुए नजर आ रहा है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग बड़ी संख्या में उसके ठेले पर रुककर नारियल पानी का आनंद लेते दिख रहे हैं।



पाकिस्तान का प्रॉक्सी वॉर

आतंक के 25 साल का पैटर्न

● पहलगाम हमले की चार्जशीट ने खोले सरहद पार आतंक नेटवर्क के गहरे राज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी की चार्जशीट सिर्फ एक हमले की जांच नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ दशकों से चल रहे प्रॉक्सी वॉर की पूरी कहानी बयान करती है। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले ने एक बार फिर उस नेटवर्क को उजागर किया था, जो सहद पार से संचालित होता है। इस ऑप-एंड में हम इसी पैटर्न, उसके तौर-तरीकों और भारत की रणनीति को विस्तार से समझते हैं।



- पाकिस्तान कनेक्शन उजागर

एनआईए की जांच (आरसी-02/2025/ एनआई/जेएमयू) में साफ तौर पर पाकिस्तान से इस साजिश के तिक सामने आए हैं। चार्जशीट में पाकिस्तानी हैडक्वार्टर साजिद जुट का नाम प्रमुखता से लिया गया है। भारतीय कानूनों जैसे भारतीय न्याय संहिता 2023, यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है।
- आँपरेशन महादेव की कार्रवाई

जुलाई 2025 में दावीगाम में हुए ऑपरेशन महादेव में तीन पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया गया। इनमें फैसल जुट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी शामिल थे। ये सभी पहलगाम हमले में शामिल थे। इसके अलावा दो स्थानीय मददगार प्रवेज अहमद और बशीर अहमद जोड़ाइ को गिरफ्तार किया गया। यह दिखाता है कि आतंकवाद अब स्थानीय सहयोग के बिना संभव नहीं रहा है।
- हाइब्रिड आतंकवाद का खतरा

पहलगाम चार्जशीट एक नए खतरे की ओर इशारा करती है- हाइब्रिड आतंकवाद। इसमें पाकिस्तानी हैडक्वार्टर, विदेशी आतंकी और स्थानीय सहयोगी मिलकर हमला करते हैं। टीआरएफ जैसे संगठन इस मॉडल का इस्तेमाल कर रहे हैं। धार्मिक पहचान के आधार पर हत्या करना और स्थानीय लोगों को शामिल करना इसका हिस्सा है, जिससे समाज में दराश पैदा की जा सके।
- भारत की रणनीतिक जवाबी कार्रवाई

2026 में ऑपरेशन सिंदूर की पहली बरसी और जयपुर में होने वाली जॉइंट कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के बीच भारत अपनी रणनीति को और मजबूत कर रहा है। NIA की चार्जशीट अब अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे FATF और संयुक्त राष्ट्र पर पाकिस्तान के खिलाफ सबूत के रूप में इस्तेमाल हो रही है। इससे पाकिस्तान पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।
- तीन स्तर पर जवाब

भारत ने इस चुनौती से निपटने के लिए तीन स्तर पर काम किया है। पहला- सैन्य कार्रवाई, जैसे ऑपरेशन महादेव और ब्रह्मोस मिसाइल के तैनाती। दूसरा- कानूनी और कूटनीतिक प्रयास, जिसमें NIA की जांच और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर डॉजियर शामिल हैं। तीसरा- सामाजिक पहल, जैसे सीमावर्ती इलाकों में विकास योजनाएं, ताकि आतंकियों को स्थानीय समर्थन न मिले।
- लंबी लड़ाई के संकेत

कालूचक से लेकर पहलगाम तक की तस्वीरें सिर्फ घटनाएं नहीं, बल्कि एक लंबी लड़ाई के सबूत हैं। पाकिस्तान की रणनीति समय के साथ बदली है, लेकिन उसका मकसद वही रहा है। दिसंबर 2025 की चार्जशीट इस लड़ाई का नया अध्याय है। आने वाले समय में इसका जवाब सैन्य, कूटनीतिक और सामाजिक स्तर पर लगातार देना होगा, तभी इस प्रॉक्सी वॉर को रोकना जा सकता है।
- 25 साल का आतंकी पैटर्न

पहलगाम हमला कोई नई बात नहीं है। 2001 में संसद हमला, 2002 का कालूचक नरसंहार, 2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट, 2008 का 26/11 हमला, 2016 का पठानकोट और उरी हमला, और 2019 का पुलवामा हमला। ये सभी घटनाएं एक ही पैटर्न दिखाती हैं। हर हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों की भूमिका सामने आई है। यह सिलसिला पिछले 25 साल से लगातार जारी है।
- आतंक का असली मकसद

आतंकी हमलों का मकसद सिर्फ जान लेना नहीं होता, बल्कि पूरे सिस्टम को पंगु बनाना होता है। संसद, मुंबई जैसे आर्थिक केंद्र, एयरबेस और पर्यटन स्थलों पर हमले इसी रणनीति का हिस्सा हैं। इनका मकसद निवेश रोकना, डर फैलाना और सरकार को दबाव में लाना होता है।

प्रेरक प्रसंग

लालच का फल



एक घने जंगल में चार चोर घोड़ों पर सवार होकर इधर-उधर घूम रहे थे। अचानक उन्हें सामने से एक साधु महात्मा घबराए हुए भागते दिखाई दिए। उनके बाल और दाढ़ी बिखरे हुए थे और वे तेज-तेज सांस ले रहे थे। चोरों ने उन्हें रोककर पूछा, 'क्या बात है बाबा, आप इतने घबराए क्यों हैं?' महात्मा ने चेतोवनी देते हुए कहा, 'उस दिशा में मत जाना, वहां मौत खड़ी है।' इतना कहकर वे तुरंत वहां से चले गए। चोरों ने साधु की बात को हल्के में लिया और जिज्ञासा के कारण उसी दिशा में बढ़ने लगे। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें एक छोटी सी झोपड़ी दिखाई दी। वे घोड़ों से उतरकर अंदर गए तो आश्चर्यचकित रह गए-झोपड़ी में चारों तरफ सोने के सिक्के बिखरे पड़े थे। यह देखकर उनकी आंखें चमक उठीं। उन्होंने जल्दी-जल्दी सिक्के इकट्ठा किए और एक पोटली में बांध लिए। वापसी के दौरान उन्हें भूख लगने लगी। चारों ने तय किया कि दो चोर बाजार से खाना लेकर आएंगे और बाकी दो सोने की रखवाली करेंगे। योजना के अनुसार दो चोर बाजार की ओर निकल गए। इधर जो दो चोर झोपड़ी के पास रह गए थे, उनके मन में लालच घर कर गया। एक ने कहा, 'अगर यह सारा सोना सिर्फ हम दोनों का मिल जाए, तो हमें जिंदगी भर चोरी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।' दूसरे ने सहमति जताई। उन्होंने योजना बनाई कि जैसे ही बाकी दोनों लौटेंगे, वे छिपकर उन्हें मार देंगे। उधर बाजार गए दोनों चोर भी लालच से अंधे हो चुके थे। उन्होंने सोचा कि क्यों न वे ही सारा सोना हड़प लें। उन्होंने खाना खाया और जो खाना साथ ले जा रहे थे, उसमें जहर मिला दिया ताकि बाकी दोनों को मार सकें।

■ जब वे दोनों खाना लेकर लौटे, तभी झाड़ियों में छिपे चोरों ने उन पर गोली चला दी। दोनों वहीं ढेर हो गए। अब बारी उन दो चोरों की थी, जो खुद को सबसे बालाक समझ रहे थे। वे खुशी-खुशी झोपड़ी में गए और वही जहरीला खाना खाने लगे।

■ कुछ ही देर में जहर ने असर दिखाया और दोनों चोर भी वहीं शिर पड़े। इस तरह चारों चोरों का अंत हो गया और सोना वहीं का वहीं पड़ा रह गया। अगर वे साधु महात्मा की चेतावनी मान लेते, तो शायद उनकी जान बच जाती। सीख: लालच इंसान की बुद्धि को नष्ट कर देता है और अंत में विनाश ही लाता है।

- राशिफल



मेथ- नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विवाही वर्ग सफलता हासिल करेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनार्जन होगा। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है।



वृषभ-कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।



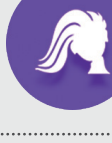
मिथुन- मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।



कर्क- घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनुकुल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।



सिंह- नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनुकुल रहेगा। आस्थाविश्रि लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।



कन्या- व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आए। पराक्रम वृद्धि होगी।



तुला-व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। प्रमाद न करें।



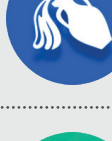
वृश्चिक- मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनुकुल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्यूचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शकान रहेगी। रहेंगे।



धनु- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनुकुल लाभ देंगे।



मकर- कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।



कुंभ- व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। घनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।



मीन-नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्यन्तर्गत के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी।

बंगाल की पहचान बचाने की लड़ाई है यह विधानसभा चुनाव: मोदी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को राज्य की पहचान बचाने की लड़ाई बताते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर मूल निर्वासियों के बजाय 'घुसपैठियों' के पक्ष में राजनीति करने का आरोप लगाया। मोदी ने आदिवासी बहुल झाड़ग्राम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस 'घुसपैठियों के लिए घुसपैठियों की सरकार' बनाना चाहती है और मतदाताओं से इसे सत्ता से हटाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

■ उन्होंने कहा कि यह चुनाव इस भूमि की समृद्ध विरासत को बचाने के लिए है। यह बंगाल की पहचान को बचाने के लिए है। आज बंगाल को अपनी पहचान खोने का डर है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल जिस रास्ते पर चल रही है वह बहुत खतरनाक है। तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों के लिए घुसपैठियों की और सरकार बनाना चाहती है। एक ऐसी सरकार जो बंगाल की जनता के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा करने के बजाय केवल घुसपैठियों के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा करेगी।

■ मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने और भ्रष्टाचार व जबरन वसूली की व्यवस्था चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर किसी को घर बनाना है, तो उसे तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट पर निर्भर रहना पड़ता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक आपकी समस्याओं की परवाह नहीं करते। वे अपनी जेब भरने में व्यस्त हैं।



मोदी ने दावा किया कि ऐसी सरकार के लिए सबसे बड़ी बाधा पश्चिम बंगाल के आम लोग होंगे। उन्होंने कहा, "तृणमूल कांग्रेस की घुसपैठियों वाली सरकार के लिए, अगर कोई शत्रु है, तो वे यहीं बैठे भाई-बहन होंगे, जो घुसपैठियों के शत्रु होंगे।" प्रधानमंत्री ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष राज्य के सभी समुदायों और क्षेत्रों में फैल गया है। उन्होंने कहा, "इसलिए, बंगाल के हर समुदाय, हर वर्ग, हर क्षेत्र ने इस बार दान लिया है और तृणमूल कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया है।"

■ प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस नेता राज्य के कई हिस्सों में आदिवासियों की जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासियों की हजारों एकड़ जमीन पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने कब्जा कर लिया है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा। झाड़ग्राम में 23 अप्रैल को मतदान होगा।

चुनावी रैलियों का महादंगल

उल्लेखनीय है कि रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बेहद व्यस्त चुनावी कार्यक्रम रहा। उन्होंने तारकेश्वर से अपने अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद कालना, मंतेश्वर और बर्दमान दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित कर तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में लहर बनाने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी का यह कड़ा रुख राज्य में चुनावी धुंधीकरण और स्थानीय बनाम बाहरी के विमर्श को और तेज करेगा।

प्रधानमंत्री पर तीखा हमला : आंसुओं से चेहरा बचाने की कोशिश

महिला आरक्षण बिल और हालिया विधायी घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले शुक्रवार को लोकसभा में उनकी हार हुई है। अब वे रो-रोकर अपनी छवि बचाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा महिलाओं के सम्मान की बात तो करती है, लेकिन उनके मन में खोट है। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि 2023 में पारित होने के बावजूद नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल) को अब तक प्रभावी दंग से लागू क्यों नहीं किया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि जब भाजपा की मंशा उजागर हो गई, तो विपक्षी दल एकजुट हो गए और सरकार को सदन में मुंह की खानी पड़ी।

70 करोड़ महिलाओं के सपनों को बेरहमी से कुचला: तरुण चुध

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के पारित न होने पर इखट के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुध ने कहा कि कांग्रेस, टीएमके, टीएमसी, सपा और आप ने संसद में सिर्फ एक विधेयक को ही नहीं हराया है। उन्होंने इस देश की 70 करोड़ माताओं, बहनों और बेटियों के सपनों और अधिकारों को बेरहमी से कुचल



दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल सही कहा कि यह महिलाओं के अधिकारों की 'भ्रूण-हत्या' है। चुध ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज, बेरोजगारी दर के मामले में बंगाल सबसे ऊपर है। अब जब कानून अपना काम कर रहा है, तो ममता बनर्जी बेचैन महसूस कर रही हैं। टीएमसी ने लुटेरों, अपराधियों और जिहादियों को पनाह दी है।

दिल्ली में पढ़ाई छोड़ चुके विद्यार्थियों की होगी स्कूल वापसी



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
शाहदरा उत्तरी जोन नगर निगम द्वारा शिक्षा से वंचित रह गए बच्चों को दोबारा स्कूलों से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। इस अभियान के तहत ऐसे विद्यार्थियों का डाटा तैयार किया जा रहा है, जिन्होंने किसी न किसी कारणवश पढ़ाई बीच में छोड़ दी है। अधिकारियों का कहना है कि इन बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा से विद्यालयों में दाखिला दिलाने की प्रक्रिया तेज की जाएगी, ताकि वे अपनी शिक्षा पूरी कर सकें डिटी डायरेक्टर शिव कुमार ने बताया कि कई बच्चे आर्थिक तंगी, परिवारिक परिस्थितियों या अन्य कारणों से स्कूल छोड़ देते हैं। ऐसे बच्चों को फिर से मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। निगम की टीम घर-घर जाकर सर्वे कर ड्राप आउट बच्चों की सूची तैयार करने में जुटी हुई है। इसके बाद अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें बच्चों की शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का कांग्रेस पर पलटवार

परिसीमन को 'जरूरी सुधार' बताया

पंकज नाथ @ असम
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कांग्रेस की राज्य के हालिया परिसीमन अभ्यास की आलोचना पर जोरदार जवाब दिया। उन्होंने कांग्रेस पर 'जेरीमेंडरिंग' शब्द का दुरुपयोग कर जनता को भ्रमित करने और लंबे समय से लांबित निर्वाचन सुधार को अवैध ठहराने का आरोप लगाया। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि 2023 में किया गया परिसीमन 'कोई साजिश नहीं, बल्कि आवश्यक और विलंबित अभ्यास' है, जो दशकों पुरानी राजनीतिक असंतुलन को ठीक करने के लिए किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले की सरकारें, खासकर कांग्रेस के शासन में, निचले असम सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को नजरअंदाज करती रहीं, ताकि चुनावी लाभ मिले। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वास्तविक प्रतिनिधित्व का विकृतिकरण तब हुआ जब बदलते जनसंख्या पैटर्न को वोट बैंक की राजनीति के लिए अनदेखा किया गया। वर्तमान अभ्यास निर्वाचन क्षेत्रों को जमीनी हकीकत के अनुरूप ढालने का प्रयास है। भारत निर्वाचन आयोग ने परिसीमन अधिनियम के प्रावधानों के तहत 2001 की जनगणना को आधार बनाकर असम की विधानसभा और लोकसभा सीटों का परिसीमन किया। अगस्त 2023 में अंतिम रूप दिए गए इस अभ्यास में 126 विधानसभा और 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण हुआ। इसका फोकस जनसंख्या वितरण को तर्कसंगत बनाना, भौगोलिक सन्निकटता और प्रशासनिक सुविधा सुनिश्चित करना था।

भारत-श्रीलंका रिश्तों में नई गर्माहट

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति अनुरा कुमार से की मुलाकात



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को यहां श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की और भारतीय आवास परियोजना एवं मछुआरों के मुद्दों सहित दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच विभिन्न पहलों पर चर्चा की। दो दिवसीय दौर पर आज सुबह यहां पहुंचे राधाकृष्णन ने दिसानायके के साथ श्रीलंका में जारी भारतीय परियोजना के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की। कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्री सुनील कुमार गामागे और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 49 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का स्वागत किया।

■ अधिकारियों ने बताया कि राधाकृष्णन की यह यात्रा किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली यात्रा है। उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन ने भारत की 'पड़ोसी प्रेम' नीति और विकास आधारित द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया। राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने साझा इतिहास और मजबूत सम्यतागत रिश्तों पर आधारित बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने विभिन्न पहल पर व्यापक चर्चा की, जिनमें भारतीय आवास परियोजना और श्रीलंका में चक्रवात दिला से प्रभावित क्षेत्रों के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज के तहत कार्यान्वित की जा रही परियोजनाएं शामिल हैं। चक्रवात के कारण भारतीय मूल के तमिल समुदाय के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और पुनर्वास के प्रयास पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने मछुआरों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से मछुआरों से जुड़े मुद्दों को हल करने पर भी चर्चा की। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के संबंधों में एक विवादोद्घाटक विषय है।

हिंदमाता मिरर 05

दुनिया में अशांति फैलाना बंद करो वर्ना...

हूती विद्रोहियों की ट्रंप को धमकी



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
मिडिल ईस्ट में हालात तेजी से तनावपूर्ण होते जा रहे हैं और अब इसका असर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों पर दिखाई देने लगा है। यमन के हूती विद्रोहियों ने एक बड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वे बाब-अल-मंदेब को बंद कर सकते हैं। यह बयान हूती प्रशासन के डिप्टी विदेश मंत्री हुसैन अल-एजी ने दिया। उन्होंने साफ कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप और उनके अनुसर 'सहयोगी दुनिया' ने अपनी नीतियां नहीं बदलीं और शांति में बाधा डालना बंद नहीं किया, तो इतिहास फिर से दोहराया जाएगा और सना (यमन की राजधानी) कठोर फैसला ले सकती है। उनका दावा था कि अगर बाब-अल-मंदेब को बंद करने का निर्णय लिया गया, तो कोई भी ताकत उस दोबारा खोल नहीं पाएगी।

■ उन्होंने दुनिया से अपील की कि यमन के लोगों के अधिकारों का सम्मान किया जाए और क्षेत्र में शांति स्थापित की जाए। Bab al-Mandeb Strait दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और आगे यह मार्ग Suez Canal तक जाता है। इसकी चौड़ाई सबसे संकरे हिस्से में लगभग 29 किलोमीटर है, जिससे जहाजों की आवाजाही सीमित चैनलों में होती है। एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के बीच होने वाला बड़ा व्यापार, खासकर कच्चा तेल और ईंधन, इसी रास्ते से गुजरता है। अगर यह मार्ग बंद होता है, तो वैश्विक सप्लाई चेन, शिपिंग और तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ सकता है। इस बीच Donald Trump 3FZ Israel का खुलकर समर्थन किया है।

■ उन्होंने इजराइल को अमेरिका का 'बेहतरान और भरोसेमंद सहयोगी' बताया और कहा कि संकट के समय इजराइल ने अपनी ताकत और रणनीतिक क्षमता साबित की है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि कुछ अन्य देश दावा के समय कमजोर साबित हुए हैं, जबकि इजराइल मजबूती से खड़ा रहा। यह पूरा घटनाक्रम उस समय हो रहा है जब United States, Iran और इजराइल के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर सख्त समुद्री निर्यात और जांच अभियान शुरू किया है, जिसे ईरान ने आक्रमक कदम बताया है। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने Strait of Hormuz पर भी सख्ती बढ़ा दी है। पहले कुछ शर्तों के तहत जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जा रही थी, लेकिन अब उस नीति को वापस ले लिया गया है।

■ यह जलडमरूमध्य भी बेहद अहम है, क्योंकि दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल इसी रास्ते से गुजरता है। अब स्थिति यह है कि अगर Strait of Hormuz और Bab al-Mandeb Strait दोनों पर संकट गहराता है, तो दुनिया के दो सबसे बड़े समुद्री तेल मार्ग एक साथ प्रभावित हो सकते हैं। इससे न केवल तेल की कीमतों में

भारी उछाल आ सकता है, बल्कि वैश्विक व्यापार, सप्लाई चेन और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, यह सिर्फ एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि एक ऐसा वैश्विक संकट बनता जा रहा है, जो आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अर्थव्यवस्था दोनों को प्रभावित कर सकता है।

ईरान का अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इंकार

‘अतिवादी मांगों’ को ठहराया जिम्मेदार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा है कि ईरान फिलहाल अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ सीधी बातचीत का एक नया दौर शुरू करने का इच्छुक नहीं है और इसका कारण प्रमुख मुद्दों पर वाशिंगटन का 'अतिवादी' मांगों को छोड़ने से इनकार करना है। तुर्किये में एक राजनयिक मंच के कार्यक्रम से इतर ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने दिए साक्षात्कार में कहा कि उनका देश अपना संवर्धित यूरेनियम अमेरिका को नहीं सौंपेगा। इसी के साथ उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए दावों को खारिज कर दिया। खतीबजादेह ने कहा, "मैं आपको बता सकता हूं कि किसी भी प्रकार का संवर्धित यूरेनियम अमेरिका नहीं भेजा जाएगा। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है। हालांकि मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम किसी भी चिंता का समाधान करने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम ऐसी किसी भी बात को स्वीकार नहीं करेंगे जो अस्वीकार्य हो।



ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच संदेशों का कई बार आदान-प्रदान हुआ है। उन्होंने लेकिन अमेरिका पर उन मांगों पर अड़े रहने का आरोप लगाया जिन्हें ईरान अतिवादी मानता है। ईरान के उप विदेशमंत्री ने कहा कि हम अभी तक वास्तविक बैठक की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर अमेरिकियों ने अभी तक अपना अतिवादी रुख नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि ईरान आमने-सामने की बैठक से पहले एक 'समझौते दांचा' को अंतिम रूप देना चाहता है।

■ ईरानी मंत्री ने अमेरिका के साथ हुई बातचीत के विशिष्ट विवरण देने या यह बताने से इनकार कर दिया कि कौन से मुद्दे अब भी अनलुझे हैं, लेकिन उन्होंने अमेरिका से ईरान की चिंताओं को दूर करने का आह्वान किया, जिसमें ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं। खतीबजादेह ने कहा कि अन्य पक्षों को भी हमारी मुख्य चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना चाहिए, जो कि ईरानियों पर अमेरिकियों द्वारा लगाए गए अवैध एकतरफा प्रतिबंध और आर्थिक आतंकवाद है। इन प्रतिबंधों को ईरानी लोगों का दम घोटाने और उन्हें ईरान के भीतर की राजनीतिक संरचना के खिलाफ विद्रोह करने के लिए लगाया गया है। खतीबजादेह से जब पूछा गया कि क्या ईरान युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इजराइल द्वारा नए सिरों से किए गए हमलों का जवाब देगा, तो उन्होंने कहा कि ईरान के पास हमलावरों को हमेशा के लिए रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

■ ट्रंप ने कहा है अमेरिका ने इजराइल को लेबनान पर और हमले करने से 'रोक दिया' है और इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध 'बहुत हो गया' है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह रोक केवल आक्रमक कार्रवाई पर लागू होती है, न कि आत्मरक्षा में की गई कार्रवाइयों पर। खतीबजादेह ने ईरान के इस रुख को दोहराया कि तेहरान की कार्रवाई रक्षात्मक थी और वार्ता के बीच हो रही अकारण आक्रमकता के जवाब में की गई थी। उन्होंने ईरान के इस रुख को भी दोहराया कि युद्धविराम लेबनान तक भी बढ़ाया जाना चाहिए, जहां इजराइल ईरान समर्थित चरमपंथी समूह हिजबुल्ला से लड़ रहा है।

■ खतीबजादेह ने कहा कि ईरान ने सद्भावना से बातचीत की, युद्धविराम स्वीकार किया और सभी को बताया कि इस युद्धविराम में लेबनान सहित सभी देश शामिल होने चाहिए। लेकिन दूसरे पक्ष ने कहा कि वह इसके लिए प्रतिबद्ध नहीं है और फिर आयाचार शुरू कर दिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत के तहत होमूज जलडमरूमध्य के लिए एक 'नयी नियमावली' लागू की जाएगी और यह सभी असेस्य जहाजों के आवागमन के लिए खुला और सुरक्षित रहेगा। ट्रंप ने धमकी दी है कि होमूज जलडमरूमध्य की अमेरिकी नाकाबंदी जारी रहेगी और अगर ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हुआ तो फिर से हमले किए जाएंगे।

हिंदमाता एंकर: विदेश में पढ़ाई करने का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए हालात तेजी से कठिन होते जा रहे हैं...

अमेरिका ने 61% भारतीय छात्र किए रिजेक्ट, ऑस्ट्रेलिया-कनाडा भी दिखा रहे सख्ती

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
विदेश में पढ़ाई करने का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के लिए हालात तेजी से कठिन होते जा रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2025 के दौरान 31 वीजा के लिए आवेदन करने वाले 61% भारतीय छात्रों को रिजेक्ट कर दिया गया। यह दर 2023 के 36% और 2024 के 53% के मुकाबले काफी ज्यादा है, जिससे साफ है कि वीजा मिलना अब पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल छात्रों की योग्यता का मामला नहीं है, बल्कि इसमें 'जियोप्राफी फैक्टर' भी काम कर रहा है। यूरोप के छात्रों को जहां 90% से अधिक स्वीकृति मिलती है, वहीं भारतीय छात्रों को ज्यादा रिजेक्शन का सामना करना पड़ रहा है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या वीजा प्रक्रिया में क्षेत्रीय असमानता बढ़ रही है।



ऑस्ट्रेलिया- कनाडा ने भी बढ़ाई मुश्किलें

ऑस्ट्रेलिया ने भी अपनी वीजा नीति को सख्त कर दिया है। 2026 की शुरुआत में करीब 40% भारतीय छात्र वीजा आवेदन खारिज किए गए। इतना ही नहीं, भारत को अब हाई-रिस्क कैटेगरी (EL3) में डाल दिया गया है, जिसके तहत छात्रों को ज्यादा फाइनेंशियल दस्तावेज, विस्तृत अकादमिक रिकॉर्ड और मजबूत "Genuine Student" स्टेटमेंट देना होगा। कनाडा में भी स्थिति आसान नहीं है। 2025 में स्टडी परमिट की संख्या 64% तक घटा दी गई और 2026 में भी इसमें और 7% कटौती का फैसला लिया गया है। सरकार ने छात्रों की संख्या सीमित करने के लिए सख्त कैंप लागू किया है, जिससे भारतीय छात्रों के लिए अवसर और कम हो गए हैं।

वीजा फैसले केवल शिक्षा के आधार पर नहीं विशेषज्ञों के अनुसार अब वीजा फैसले केवल शिक्षा के आधार पर नहीं लिए जा रहे, बल्कि इमिग्रेशन से जुड़ी वित्ताएं, घरेलू राजनीतिक दबाव और अवैध रूप से रुकने की आशंका भी अहम भूमिका निभा रही है। इसी वजह से भारत, नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे दक्षिण एशियाई देशों के छात्रों पर ज्यादा सख्ती की जा रही है। इसका असर अब साफ दिखाई देने लगा है। स्टडी एंब्रोड सेवाएं देने वाली कंपनियों के कारोबार में 35 से 40 प्रतिशत तक गिरावट आई है, और छात्रों के बीच अनिश्चितता बढ़ गई है। हालांकि विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि छात्र धरपार नहीं, बल्कि अपनी तैयारी को और मजबूत करें, दस्तावेज पूरी तरह सही रखें और आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी व व्यवस्थित तरीके से पूरा करें।

मुजस जयान में खुता हसा हुआ है कि इस हिसा की पकटस्था 30 मार्च से 3 अप्रैल के बीच ही लिख दई गई थी। आदित्य जयान में 'मजदूर बहिल', 'हिसा रूखी अंगिकाद्वारा', 'RWPI', 'नौजवान भारतसेना' और 'एकता संघ' समिति जेवना सभ्यता के सदस्यता के साथ 'मिस्तर कदम' बढे देक के गी। इन बेवकाल का मकसद मजदूर आंदोलन के नाम पर बढे पैमाने पर हिसा और अव्यवस्था फैलाना था। आदित्य जयान में पन्नाइटी (NIT) जमशेदपुर से सौदेक की पढाई की थी और वह नौकाड के खतर-खतर में रह रहा था। 1985कुक के जर्जर वह सिस्तिन मजदूर संगठनों और 'मजदूर बहिल' के संपाक अनुभव विस्मिन् के संपर्क में आया था। शुरूआत में मजदूरों की खबरो की प्रतिवेदन करवा वाला वह इंजीनियर धीरे-धीरे क्रांतिकारी गतिविधियों और हिसा की प्लानिंग करवा लेला सभ्यता नेदेवक का हिससा बन गया। मुजस का मानना है कि वह मालूम केवल रसनीय हिससा तक सीमित नहीं है बलकि एक बढे संगठित नेदेवक का हिससा है। फरफटीक और इस सब की जांच कर रही है कि इस सॉजिसर के लिए फंडिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट कहां से मिल रहा है।

इटली में भारतीय मूल के 2 लोगों की हत्या

गुरुद्वारे से निकलते समय मारी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली इटली में में भारतीय मूल के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार देर रात उत्तरी इटली के कोवो शहर में हुई। यहां अगले दिन वैसाखी का कार्यक्रम होने वाला था। स्थानीय अखबार ला सिसिलिया के मुताबिक, वारदात बगमो इलाके के एक इंडस्ट्रिएल एरिया में स्थित माता साहिब कौर जी गुरुद्वारे के बाहर हुई। शुक्रवार रात करीब 12 बजे, जब दोनों लोग गुरुद्वारे से बाहर निकले, तभी उन पर अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। मारे गए लोगों की पहचान 48 साल के राजेंद्र सिंह और 48 साल के गुरमीत सिंह के तौर पर हुई है। राजेंद्र सिंह कोवो में रहते थे, जबकि गुरमीत सिंह पास के अम्नाडेलो इलाके के निवासी थे। हमलावार ने उन पर कई गोलियां चलाईं और फिर गाड़ी में बैठकर भाग गया। पुलिस को मौके से करीब 10 खाली कारतूस मिले हैं।



वैसाखी से ठीक पहले हुई घटना

यह घटना वैसाखी से ठीक पहले हुई, जो सिख धर्म का एक बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्योहार 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की याद में मनाया जाता है। इस मौके पर गुरुद्वारे में बड़ा कार्यक्रम होने वाला था, जिसमें स्थानीय प्रशासन के लोग भी शामिल होने वाले थे। कोवो के मेयर ने इस घटना पर दुख और हैरानी जताई है। उनका कहना है कि सिख समुदाय यहां पिछले 15 साल से शांति से रह रहा है और पहले कभी ऐसी घटना नहीं हुई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। CCTV फुटेज देखी जा रही है, गवाहों से पूछताछ हो रही है और गोलियों की जांच की जा रही है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पाविया भेजा गया है।

टारगेट किलिंग की आशंका

रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला पहले से योजना बनाकर किया गया था। पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह कोई अचानक हुई लड़ाई नहीं थी, बल्कि किसी खास वजह से की गई टारगेट किलिंग हो सकती है। एक गवाह ने बताया कि हमलावर भी भारतीय मूल का था और वह स्थानीय सिख समुदाय में जाना-पहचाना व्यक्ति था। वह गुरुद्वारे में अक्सर आता-जाता था। इस घटना में एक तीसरा व्यक्ति भी हल्का घायल हुआ है, जिसे गोली छूकर निकल गई। गुरमीत सिंह के परिवार के लिए यह बड़ा झटका है, क्योंकि उनके पीछे पत्नी और दो बच्चे हैं।

40% ड्रोन, 60% लॉन्चर अभी भी बचे

युद्ध के बाद भी ईरान की सैन्य ताकत कैसे बरकरार है?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच एक अहम जानकारी सामने आई है। अमेरिकी सैन्य और खुफिया अधिकारियों के मुताबिक, कई हफ्तों की लड़ाई के बाद भी ईरान के पास करीब 40% अर्टैकड्रोन ड्रोन और 60% से ज्यादा मिसाइल लॉन्चर अब भी बचे हुए हैं। माना जा रहा है कि यह ताकत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के लिए आगे भी खतरा बन सकती है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास अभी भी उसके युद्ध से पहले के ड्रोन का बड़ा हिस्सा मौजूद है। अगर मरम्मत और रिकवरी का काम पूरा हो जाता है, तो वह अपने पुराने ड्रोन स्टॉक का करीब 70% तक फिर से हासिल कर सकता है।

ईरान ने कैसे बढ़ाई मिसाइल कैपिसिटी?

मिसाइल सिस्टम की बात करें तो युद्धविराम के समय ईरान के पास लगभग आधे लॉन्चर थे। इसके बाद उसने सुरंगों और बंकरों में छिपाकर रखे गए करीब 100 मिसाइल सिस्टम फिर से बाहर निकाल दिए। इससे अब उसके सक्रिय लॉन्चर स्टॉक करीब 60% हो गए हैं। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री म्दवेदेव ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम किताना टिकाया, यह साफ नहीं है।



इजराइल पर भड़के सऊदी-मिस्र समेत 16 मुस्लिम देश

इस फैसले पर जताई नाराजगी

हिंदमाता नेटवर्क @ यरुशलम इजराइल के एक फैसले को लेकर सऊदी अरब समेत कई अरब और मुस्लिम देशों ने कड़ी नाराजगी जताई है। इन देशों ने इजराइल की ओर से सोमालीलैंड के लिए राजनयिक प्रतिनिधि नियुक्त करने के फैसले की सख्त निंदा की है और इसे गलत बताया है। एक संयुक्त बयान में इन देशों ने कहा कि इजराइल का यह कदम सोमालिया की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता का सीधा उल्लंघन है। उनका कहना है कि किसी भी देश की सीमाओं और एकता को कमजोर करने वाला एकांतरका फैसले बिल्कुल स्वीकार नहीं किए जा सकते। सऊदी अरब, मिश्र, सोमालिया, सुडान, लीबिया, बांग्लादेश, अल्जीरिया, फिलिस्तीन, तुर्की, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और कुवैत सहित एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के कुल 16 देशों के विदेश मंत्रियों ने बयान जारी किया। सभी देशों ने एक साथ मिलकर इजराइल के इस फैसले का विरोध किया। इन देशों ने कहा कि इजराइल का यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। साथ ही यह संयुक्त राष्ट्र के नियमों और अफ्रीकी संघ के सिद्धांतों का भी उल्लंघन करता है। उनका मानना है कि इस तरह के फैसले अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर सकते हैं।

क्यों शुरू हुआ विवाद?

दरअसल, इजराइल ने हाल ही में सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने और वहां अपना प्रतिनिधि भेजने की घोषणा की थी। इसी फैसले के बाद यह विवाद खड़ा हुआ है। सोमालिया ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। उसका कहना है कि सोमालीलैंड उसका ही हिस्सा है और उसे अलग देश मानना उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। यही वजह है कि कई अन्य देश भी सोमालिया के समर्थन में आ गए हैं। इन देशों ने चेतावनी दी है कि ऐसे कदमों का अक्सर सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसलों से भविष्य में और बड़े विवाद खड़े हो सकते हैं।

हिंदमाता एंकर

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर अपनी नाकेबंदी जारी रखेगा, जब तक दोनों देशों के बीच कोई अंतिम समझौता नहीं हो जाता

24 घंटे से भी कम समय में कैसे बंद हो गया होर्मुज स्ट्रेट, पूरी कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन ईरान ने शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट खोलने का ऐलान किया था। लेकिन सिर्फ 24 घंटे के अंदर हालात ऐसे बदले कि दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक यह रास्ता फिर से बंद हो गया। यह सब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव और खतम होने वाले युद्धविराम के बीच हुआ। यह सब कैसे हुआ आइए समझते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के उस बयान का स्वागत किया, जिसमें कहा गया था कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुला है और जहाज आसानी से आ-जा सकते हैं। शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराक्चाबी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा था कि रास्ता खोल दिया गया है और जहाजों के रूट को लेकर कोऑर्डिनेट किया जाएगा।

किस वजह से कन्प्यूजन हुआ?

इस खबर का असर तुरंत दिखा और कुछ ही घंटों में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 10% की गिरावट आ गई। दुनिया को लगा कि अब स्थिति सामान्य हो सकती है। लेकिन यह राहत ज्यादा देर नहीं रही। ईरान के ही अर्ध-सरकारी मीडिया तस्नीम ने अराक्ची के बयान की आलोचना की और कहा कि उन्होंने रास्ते की शर्तों और नियमों को लेकर साफ जानकारी नहीं दी, जिससे भ्रम पैदा हुआ। इसी बीच ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर अपनी नाकेबंदी जारी रखेगा, जब तक दोनों देशों के बीच कोई अंतिम समझौता नहीं हो जाता। इस बयान ने ईरान को फिर से भड़का दिया। कुछ ही समय बाद हालात पूरी तरह बदल गए। ईरान की इस्लामिक रिपब्ल्यूशनी गार्ड फोर्स (IRGC) ने शनिवार को ऐलान किया कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया गया है।



IRGC ने गनबोट्स से हमले भी किए

IRGC ने चेतावनी दी कि जो भी जहाज इस इलाके के पास आएगा, उसे दुश्मन की मदद करने वाला माना जाएगा और उस पर हमला किया जा सकता है। शनिवार को ईरान की सेना ने भी साफ कर दिया कि जब तक अमेरिका अपनी नाकेबंदी खत्म नहीं करता, तब तक व्यापारिक जहाजों की आवाजाही पर सख्त पाबंदियां रहेगी। इसी को दिखाने के लिए शनिवार को ओमान के तट से करीब 20 मील दूर दो जहाजों पर कार्रवाई की गई। जहाज के कप्तान के मुताबिक, यह हमला ईरानी गनबोट्स ने किया। इस बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने भी शनिवार को सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ईरान की नेवी अपने दुश्मनों को नई और करारी हार देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब आगे क्या होगा?

अब ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका किसी दबाव में नहीं आएगा। वहीं ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने बताया कि वह अमेरिका के नए प्रस्तावों पर विचार कर रही है, लेकिन अभी कोई जवाब नहीं दिया गया है। स्थिति इंसुलिय और गंभीर हो गई है, क्योंकि युद्धविराम सिर्फ तीन दिन में खत्म होने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच 8 अप्रैल को 2 हफ्ते का सीजफायर हुआ था, जो 22 अप्रैल को खत्म हो रहा है। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान के साथ 22 अप्रैल तक समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका फिर से बमबारी शुरू कर सकता है। वहीं ईरान ने भी कहा है कि वह मई 2026 में बने नए मिसाइलों का इस्तेमाल करेगा।

समझौते के लिए ट्रंप जा रहे पाकिस्तान?

इस्लामाबाद में सड़कें सील, लॉकडाउन जैसे हालात

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार को अचानक सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर शहर में कई बड़े कदम उठाए गए हैं। हालांकि अभी तक अमेरिका,



ईरान या पाकिस्तान ने अधिकारिक तौर पर इस बैठक की पुष्टि नहीं की है, लेकिन हालात साफ बता रहे हैं कि बड़ी बातचीत की तैयारी चल रही है। हाई लेवल अमेरिकी डेलिगेशन की सिक्वोरिट्टी टीम इस्लामाबाद पहुंची है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि वह इस्लामाबाद आ सकते हैं, लेकिन तभी जब समझौता साइन करने की स्थिति बन जाए। अभी यह साफ नहीं है कि इस बार अमेरिका की ओर से कौन-कौन प्रतिनिधि शामिल होंगे। अमेरिका से पाकिस्तान आने में आमतौर पर एक दिन का समय लगता है। 11 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को एयर फोर्स टू से इस्लामाबाद पहुंचने में करीब 17 घंटे लगे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, दो अमेरिकी कार्गो विमान रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर उतरें हैं। इससे यह संकेत मिल रहा है कि बड़ा अमेरिकी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंचने वाला है। क्योंकि ऐसे विमानों में VVIP के आने से पहले जरूरी चीजें लाई जाती हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी 12 अप्रैल को शांति वार्ता के लिए नूर खान एयरबेस पर उतरें थे।

इस्लामाबाद में ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव

फिलहाल इस्लामाबाद पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए हैं। विदेशी डेलिगेशन के आने के कारण रेड जौन और एक्सटेंडेड रेड जौन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इन इलाकों में किसी भी तरह की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। लोगों से कहा गया है कि वे दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें और सुरक्षा में सहयोग दें।

इस्लामाबाद-रावलपिंडी में ट्रैफिक बंद

इस्लामाबाद और इससे 15 किमी दूर रावलपिंडी में ट्रांसपोर्ट सेवाओं पर भी रोक लगा दी गई है। रावलपिंडी डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने सभी तरह के ट्रांसपोर्ट पर रोक लगाने का आदेश दिया है। हालांकि बाद में कहा कि इस व्यवस्था में निजी वाहनों को छूट मिलेगी। वहीं इस्लामाबाद डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने भी भारी और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की आवाजाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा जा रहा है कि ये सुरक्षा प्रतिबंध 10 दिन तक लागू रह सकते हैं।

बड़े होटलों ने बुकिंग बंद की

इस्लामाबाद के बड़े होटलों ने कोई भी बुकिंग लेने से मना कर दिया है। लग्जरी मोनोपॉपिक होटल में इस हफ्ते के लिए कोई कमरा खाली नहीं है। पिछली वार्ता के दौरान यही होटल मीडिया के लोगों से भरा हुआ था। वहीं, सेरेना होटल अब नई बुकिंग नहीं ले रहा है। सेरेना में अमेरिकी और ईरान के बीच पहले दौर की बातचीत हुई थी। इतना ही नहीं, सेरेना और मैरियट होटल में ठहरे हुए मेहमानों को भी रविवार रात से दूसरे दिनों पर जाने के लिए कहा गया है। इससे यह साफ होता है कि इन होटलों को किसी खास काम के लिए खाली कराया जा रहा है।

कब होगी अगले दौर की बातचीत?

पहले दौर की वार्ता 12 अप्रैल को खत्म हुई थी। इसके बाद से पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ईरान के अधिकारियों का कहना है कि सीधे बातचीत ज्यादा बेहतर रही है, क्योंकि बीच में किसी तीसरे पक्ष के होने से कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। दूसरे दौर की बातचीत की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन जानकारी के मुताबिक, यह मीटिंग मंगलवार तक हो सकती है।

मलेशिया के सैंडakan में सबसे भीषण आग

1,000 घर जलकर खाक, 9,000 लोग बेघर हुए

हिंदमाता नेटवर्क @ कुआलालंपुर

मलेशिया के सैंडakan शहर में रविवार तड़के एक बड़ी आग लग गई, जिसने भारी नुकसान किया। यह आग सुबह करीब 1:30 बजे बादू सापी इलाके के कम्यून् बहागिया में शुरू हुई। आग इतनी तेजी से फैली कि करीब 1,000 घर जलकर खत्म हो गए और 9,007 लोग प्रभावित हुए। इसे सैंडakan की सबसे बड़ी आग की घटनाओं में से एक माना जा रहा है। गंभीरत रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई। हालांकि, कुछ लोग अपने सामान बचाने या दूसरों की मदद करते समय हल्के घायल हुए हैं। यह इलाका लकड़ी के खंभों पर बने घरों की घनी बस्ती है। घर एक-दूसरे के बहुत पास बने होने के कारण आग तेजी से फैल गई। लोगों को घरों से बाहर निकलने का बहुत कम समय मिला और कई परिवार अपना सामान छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। स्थलगत टीम को आग बुझाने में काफी दिक्कत आई। संकरी गलियों के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सीधे मौके तक नहीं पहुंच सकीं।

लेबनान में इजराइल ने बनाई गाजा जैसी सीमा

जानें क्या है येलो लाइन

हिंदमाता नेटवर्क @ लेबनान इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में येलो लाइन नाम की एक नई सीमा बना दी है। यह सीमा गाजा में पहले से लागू एक सैन्य व्यवस्था जैसी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कुछ दिन पहले ही इजराइल और लेबनान के बीच 10 दिन का युद्धविराम हुआ है। यह युद्धविराम कई हफ्तों से चल रही लड़ाई को रोकने के लिए किया गया था। यह संघर्ष इजराइल और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच हो रहा था। इजराइली सेना (IDF) ने शनिवार को पहली बार येलो लाइन के बारे में बताया। सेना के मुताबिक, यह एक ऐसी रेखा है जो उनके नियंत्रण वाले इलाके और दूसरे इलाके को अलग करती है। इजराइल का कहना है कि पिछले 24 घंटों में इस लाइन के दूसरी तरफ से कुछ लोग उनकी तरफ आए, जिन्हें उसने आतंकी बताया। सेना का कहना है कि इन लोगों ने युद्धविराम का उल्लंघन किया और उनके सैनिकों के लिए खतरा बने। इसके जवाब में इजराइल ने तुरंत कार्रवाई की और कई जगहों पर हमला किया। सेना ने यह भी कहा कि सैल्फ डिफेंस में की गई ऐसी कार्रवाई युद्धविराम के नियमों के खिलाफ नहीं मानी जाती।

क्या है येलो लाइन?

येलो लाइन जमीन पर बनाई गई एक सैन्य सीमा है, जो दो

इलाकों को अलग करती है। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में यह लाइन बनाकर यह तय किया है कि उसकी सेना कहा तक रहेगी और इसके आगे का इलाका खतरे वाला माना जाएगा। ऐसी ही येलो लाइन 10 अक्टूबर से गाजा में भी लागू है। वहां इस लाइन ने गाजा को दो हिस्सों में बांट दिया है। एक हिस्सा इजराइल के नियंत्रण में है और दूसरा हम्रास के पास। अब लेबनान में भी इजराइल इसी तरीके का इस्तेमाल कर रहा है, ताकि वह अपने सैनिकों की सुरक्षा और गतिविधियों को नियंत्रित कर सके।



बिजनेस वर्ल्ड

अमेरिका के ‘कैपिटल हिल’ में प्रदर्शनी आयोजित कर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करेगा भारत

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

अमेरिका में भारतीय दूतावास पहलगाम में आतंकवादी हमले का एक वर्ष पूरा होने पर मंगलवार को ‘कैपिटल हिल’ (अमेरिकी संसद परिसर) में एक प्रदर्शनी आयोजित करेगा जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर किया जाएगा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन वज्राज (द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म) (आतंकवाद की मानवीय कीमत) प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदर्शनी ऐसे समय में आयोजित की जा रही है जब पाकिस्तान 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका-ईरान युद्ध में खुद को शांति स्थापित कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान स्थित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसनर घाटी में परंदों पर गोलीबारी की थी जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई थी। इस हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी दलों के खिलाफ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया था। भारत ने पिछले साल जुलाई में भी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इसी तरह की एक प्रदर्शनी आयोजित की थी। उस समय पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाली थी। ‘कैपिटल हिल’ में आयोजित की जाने वाली डिजिटल प्रदर्शनी में दुनिया भर में हुए भीषण आतंकवादी हमलों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिनमें 1993 में मुंबई में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोट, 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले और पहलगाम आतंकवादी हमले को भी दिखाया जाएगा।

आइटेल ने फीचर फोन के लिए काउंटर रिप्लेसमेंट ऑफर लॉन्च किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अपनी मजबूती (ड्यूरेबिलिटी), भरोसे (रिलायबिलिटी) और कम दामों (अफोर्डेबिलिटी) के लिए शहराहू भारत के प्रमुख तकनीकी ब्रांड (टेक ब्रांड), आइटेल भारत में अपने शनदार 10 साल पूरे कर रहा है। आइटेल अब 15 करोड़ ग्राहकों के विशाल परिवार तक पहुंच गया है, जो इसके बदलाव भरे सफर में एक बड़ी उपलब्धि (माइलस्टोन) है। इस खुशी को दोगुना करने के लिए, आइटेल ने साधारण फोन (फीचर

फोन) में किसी भी निर्माण दोष (मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट) के लिए 1 साल के ‘काउंटर रिप्लेसमेंट’ (बदली) की सुविधा पेश की है, जो देश भर के ग्राहकों के लिए एक बड़ा उपहार (बोनस) है। पिछले दस सालों में, आइटेल ने कर्म कीमतों पर टिकाऊ और भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद पेश करके भारतीय ग्राहकों के बीच अपनी एक खास जगह बनाई है। इस मौके पर आइटेल इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), अरिजीत तलापात्रा ने कहा, ‘रश्मतर में 10 साल पूरे करना और 15 करोड़ ग्राहकों का दिनांश जितना हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। यह हमारे सहयोगियों (पार्टनर्स), टीम और ग्राहकों के अटूट साथ के बिना मुमकिन नहीं था। आज यह कामयाबी उस विश्वास को दिखाती है जो हमने इतने सालों में कमाया है।

बिंदी-तिलक विवाद पर यू-टर्न, Lenskart ने जारी की नई स्टाइल गाइडलाइन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

ऑनलाइन विवाद बढ़ने के बाद आईवियर कंपनी Lenskart ने माफी मांगते हुए नई इन-स्टोर स्टाइल गाइड जारी की है। अब कर्मचारी काम के दौरान अपने धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक पहन सकते हैं। कंपनी ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी कर कहा कि ग्राहकों और समुदाय की चिंताओं को देखते हुए गाइडलाइंस को पारदर्शी बनाया जा रहा है। नई गाइडलाइन में साफ तौर पर कहा गया है कि कर्मचारी बिंदी, तिलक, सिंदूर, कलवा, मंगलसूत्र, कड़ा, हिराजा और पागड़ी जैसे धार्मिक प्रतीक पहन सकते हैं। कंपनी ने कहा कि अगर पहले किसी नियम से किसी की भावनाएं अहत हुई हैं, तो इसके लिए वह माफी मांगती है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर एक कथित इंटरनल वीडियोट वायरल हुआ। इसमें दावा किया गया था कि कर्मचारियों को बिंदी और तिलक जैसे कुछ धार्मिक चिह्न पहनने से रोका गया है। इसके बाद लोगों ने नाराजगी जताई और बहिष्कार की मांग भी उठी। इस मामले पर कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने पहले ही सफाई दी थी कि वायरल वीडियोट पुराना है और मौजूदा पॉलिसी को नहीं दर्शाता। उन्होंने कहा था कि कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन में किसी भी धार्मिक अभिव्यक्ति पर कोई रोक नहीं है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि उसके 2,400 से ज्यादा स्टोर्स भारत में हैं, जहां कर्मचारी अपनी परंपराओं और मान्यताओं के साथ काम करते हैं। लेंसकार्ट भारत में बना है, भारतीयों के लिए बना है, और हम किसी को अपनी पहचान छेड़ने के लिए नहीं कहेंगे, कंपनी ने कहा।

संकट के बीच भी राहत, 53 लाख LPG सिलेंडर डिलीवर, स्पलाई चैन मजबूत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भी भारत में एलपीजी स्पलाई सामान्य बनी हुई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एक दिन में 53.5 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की गई, जो कृषि के मुकाबले सामान्य स्तर पर है। इससे साफ है कि फिलहाल आम उपभोक्ताओं को गैस की कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा। इस दौरान 39,000 से ज्यादा पीएनजी उपभोक्ताओं ने MYPNGD.in पेंटैल के जरिए अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए। माना जा रहा है कि पाइड गैस की सुविधा मिलने से लोग सिलेंडर पर निर्भरता कम कर रहे हैं। अप्रैल 2026 (17 अप्रैल तक) में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की ऑटो एलपीजी बिक्री ऑरेंसजन 305 मीट्रिक टन प्रतिदिन पहुंच गई है, जो फरवरी 2026 के 177 मीट्रिक टन प्रतिदिन के मुकाबले काफी ज्यादा है। यह संकेत देता है कि ऑटो सेक्टर में एलपीजी की मांग तेजी से बढ़ रही है। अहम समुद्री मार्ग होर्मुज जलमक्रमध्य से भारतीय ध्वज वाला कच्चा तेल टैंकर देश गरिमा सुरक्षित गुजर चुका है। इस टैंकर में 31 भारतीय नाविक सवार हैं और इसके 22 अप्रैल 2026 को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। यह भारत के लिए राहत की खबर है, क्योंकि यह रूट वैश्विक तेल स्पलाई के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। होर्मुज जलमक्रमध्य में भारतीय जहाजों से जुड़ी गोलीबारी की घटना पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सरकार ने ईरान के राजदूत को तलब कर इस मुद्दे पर गहरी चिंता जताई है और सुरक्षा सुनिश्चित करनी की मांग की है। तनाव के बावजूद खुले हवाई क्षेत्र वाले देशों से उड़ानें जारी हैं। 28 फरवरी से अब तक करीब 10.97 लाख यात्री इस क्षेत्र से भारत आ चुके हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि एयर कनेक्टिविटी पर अभी बड़ा असर नहीं पड़ा है। मौजूदा हालात में भारत के लिए राहत की बात यह है कि ऊर्जा स्पलाई और ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। हालांकि, सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

50 लाख रुपए से ज्यादा की प्रॉपर्टी पर भी नहीं लगेगा TDS, ITAT का बड़ा फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आमतौर पर 50 लाख रुपए से ज्यादा की प्रॉपर्टी खरीदने पर खरीदार को 1% TDS काटना होता है। यह नियम इनकम टैक्स एक्ट की धारा 194A-IA के तहत लागू होता है। लेकिन हाल ही में आयकर अपीलीय अधिकरण अहमदाबाद के एक फैसले ने इस नियम को लेकर बड़ी राहत दी है। यह मामला हसमुखबाई जयंतीभाई पटेल बनाम ITO से जुड़ा है, जिसमें खरीदार ने ऐसी प्रॉपर्टी खरीदी जिसकी कुल कीमत 50 लाख रुपए से ज्यादा थी, लेकिन वह टैक्स की दायरे की थी। हर विक्रेता को मिलने वाली राशि 50 लाख रुपए से कम थी, इसलिए खरीदार ने TDS नहीं काट। हालांकि, टैक्स विभाग ने इसे गलत मानते हुए खरीदार को डिफॉल्टर घोषित कर दिया और करीब 13.5 लाख रुपए का टैक्स और ब्याज वसूलने का आदेश दिया। ITAT अहमदाबाद ने टैक्स विभाग के फैसले को पलटते हुए खरीदार के पक्ष में निर्णय दिया। टिब्यूनल ने कहा कि संबंधित आकलन वर्ष (AY 2015-16) में 50 लाख रुपए की सीमा हर विक्रेता के हिस्साब से देखी जानी चाहिए, न कि पूरी प्रॉपर्टी की कुल कीमत के आधार पर। चूंकि हर विक्रेता को 50 लाख रुपए से कम भुगतान हुआ था, इसलिए TDS काटना जरूरी नहीं था। टिब्यूनल ने साफ किया कि उस समय के कानून ने यह प्रावधान नहीं था कि सभी विक्रेताओं को किए गए भुगतान को जोड़कर देखा जाए। इसके अलावा, 2024 में जो संशोधन हुआ है, वह भविष्य के मामलों पर लागू होगा, पुराने मामलों पर नहीं। ITAT के इस फैसले के बाद खरीदार पर लगाया गया 13.5 लाख रुपए का टैक्स और उस पर लगाया गया ब्याज पूरी तरह हटा दिया गया है, जिससे उसे बड़ी राहत मिली है। हालांकि, अब नियम बदल गया है। 1 अप्रैल 2024 के बाद 50 लाख रुपए की सीमा पूरी प्रॉपर्टी की कुल कीमत पर लागू होगी। यानी अगर कुल कीमत 50 लाख रुपए से ज्यादा है, तो TDS काटना अनिवार्य होगा, चाहे भुगतान अलग-अलग विक्रेताओं को किया गया हो। ITAT का यह फैसला पुराने मामलों में होमबयर्स के लिए राहत लेकर आया है। लेकिन नए नियमों के तहत टैक्स अनुपातन सख्त हो गया है, इसलिए प्रॉपर्टी खरीदते समय मौजूदा नियमों को समझना बेहद जरूरी है।



‘महावतार परशुराम’ का टीजर रिलीज

सिने प्रेमियों को ‘केजीएफ’, ‘सालार’ और ‘कातारा’ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्ममें देने वाले होम्बले फिल्म्स ने परशुराम जयंती के अवसर पर फैंस को तोहफा दिया है। महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की दूसरी किस्त के रूप में फिल्म ‘महावतार परशुराम’ का पहला पोस्टर और टीजर साझा किया है। बता दें कि भगवान विष्णु के दस अवतारों पर आधारित सात भागों वाले एनिमेटेड ‘महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स’ की यह दूसरी किस्त है। इससे पहले फिल्म ‘महावतार नरसिम्हा’ काफी पसंद की गई थी।

पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी फिल्म
होम्बले फिल्म्स ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्टर साझा किया है। इसके जरिए ‘महावतार परशुराम’ का पहला पोस्टर रिलीज किया गया है। फिल्म का पोस्टर हिंदी और अंग्रेजी के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में रिलीज किया गया है। इससे साफ है कि यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर बनेगी। पोस्टर के साथ केषान लिखा है कि जब धर्म का पतन होता है, तब परशु (फरसा) उठता है। महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली पेशकश पेश है। इसके अलावा मेकर्स ने टीजर भी पेश किया है।

शानदार हॉगे विजुएल इफेक्ट्स
मेकर्स ने फिल्म की जो पहली झलक साझा की है, वह काफी रोमांचक है। इससे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में खास विजुअल स्पेक्टैकल होने की पूरी उम्मीद है। ‘महावतार नरसिम्हा’ को देखने के बाद से ही फैंस के बीच इसकी अगली फिल्म को लेकर जबर्दस्त उत्साह था। अब मेकर्स ने दूसरी फिल्म का आधिकारिक तौर पर एलान कर दिया है। फिल्म को लेकर प्रोड्यूसर विजय किरागंदुर ने कहा कि हमारी कहानियां ही हमारी ताकत हैं। महावतार परशुराम के साथ हमारा लक्ष्य दर्शकों को अपनी जड़ों की शक्ति से फिर से जोड़ना है और इसे एक ऐसे फॉर्मेट में पेश करना है जो आज की पीढ़ी को पसंद आए। फिल्म का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है।

‘वाल्मीकि रामायण’ का नया पोस्टर

भावना तलवार द्वारा निर्देशित ‘वाल्मीकि रामायण’ का एक नया पोस्टर अक्षय तृतीया के अवसर पर जारी किया गया है। इस पोस्टर में प्रभु राम की धनुष के साथ अद्भुत छवि दिखाई गई है। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म के संगीत को लेकर एक अहम जानकारी शेर की है।

कौन तैयार करेगा ‘वाल्मीकि रामायण’ का संगीत
अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर निर्माताओं ने ‘वाल्मीकि रामायण’ का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म के संगीत को लेकर अहम जानकारी शेर की है। निर्माताओं ने यह आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि इस फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार और गीतकार इलेयाराजा तैयार करेंगे।

इलेयाराजा ने अपने संगीत करियर के पूरे किए 50 साल
इलेयाराजा ने 10 जनवरी 2026 को अपने संगीत करियर के 50 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर बंगलूरु में एक स्पेशल कॉन्सर्ट का आयोजन भी किया गया था। ‘इलेयाराजा 50 : ए लेजेंडरी म्यूजिकल जर्नी’ नाम का यह इवेंट, 10 जनवरी 2026 को माडवारा के एनआईसीई ग्राउंड्स में किया गया था।

ऑथेंटिक टैलेंट को मौका मिले: ऋचा चड्ढा

निर्माता और अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने इंडस्ट्री में सवाल उठाया है कि फिल्ममेकर्स आखिर क्यों ‘कमर्शियल’ कलाकारों को कास्ट करते हैं, जबकि न तो वे ऐसी फिल्मों के लिए बॉक्स ऑफिस खींच पाते हैं और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास भरोसेमंद पहचान जोड़ते हैं। भारतीय सिनेमा की मौजूदा स्थिति पर खुलकर बात करते हुए ऋचा ने कास्टिंग के इस लंबे समय से चले आ रहे विरोधाभास को सामने रखा। उन्होंने कहा कि यदि कोई कलाकार आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला रहा है और फेस्टिवल्स में भी कोई खास वजन नहीं जोड़ रहा, तो फिर उसे फिल्म में लेने का फायदा क्या है।

■ ऋचा ने कहा कि मैं किसी के खिलाफ नहीं बात रही, लेकिन ट्रेनिंग लिए हुए कलाकार के साथ कम से कम परफॉर्मेंस की वॉलंटिटी का भरोसा होता है। इंडी फिल्मों में भी एक तरह का बिजनेस होता है, और हर कहानी को बड़े वेहर की जरूरत नहीं होती। ऐसे कलाकारों को लेना ज्यादा समझदारी है जो भरोसेमंद हों और बजट पर भी भारी न पड़ें। उन्होंने कहा कि बात किसी की काबिलियत कम करने की नहीं है, बल्कि ये समझने की है कि यदि 2026 में इंडी फिल्मों को टिकना है, तो हमें सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां और सच्चे कलाकार देखना चाहते हैं, बिना बजट पर ज्यादा बोझ डाले।

■ ऋचा ने यह भी कहा कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की पहचान हमेशा से रिसक लेने, सच्चाई और मजबूत कहानी कहने में रही है। लेकिन जब कास्टिंग सिर्फ ‘मार्केट वैल्यू’ को देखकर की जाती है, तो ये मूल बातें कमजोर पड़ जाती हैं। इंडी फिल्में नए टैलेंट एक्टर, राइटर्स और टेक्नीशियंस – को सामने लाने के लिए होती हैं, जो अपने काम में ताजगी और सच्चाई लाते हैं। जब फिल्ममेकर्स ‘कमर्शियल वैल्यू’ के नाम पर कास्टिंग में समझौता करते हैं, तो फिल्म अपनी आत्मा खो देती है।

■ उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में इंडी सिनेमा बहुत मजबूत था और फारुक शेख, अमील पालेकर, शबाना आज़मी जैसे कलाकार अपने आप में बड़े नाम थे। आज वो स्पेस लगभग खत्म हो गया है। यदि पूरी इंडस्ट्री कुछ गिने-चुने बड़े मेले एक्टर के सहारे बैठी रहेगी, तो फिल्मों की संख्या भी कम हो जाएगी। मुख्यधारा और इंडी सिनेमा दोनों में सफलतापूर्वक काम कर चुकी ऋचा ने जोर देकर कहा कि आज के समय में असली पहचान लेबल से नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस से बनती है। उन्होंने फिल्ममेकर्स से अपील की कि वे ऐसे टैलेंट को मौका दें जो सच में कहानी को बेहतर बना सके चाहे वह नया हो या अनुभवी, लेकिन फिल्म के विजन के साथ ईमानदारी से जुड़ा हो।

दैनिक ठाणे, सोमवार 20 अप्रैल, 2026

पैनी नजर, पुख्ता खबर

हिंदमाता मिरर

GAME & GLAMOUR

जल्द होगी धोनी की वापसी?

हेड कोच ने दिया सबसे बड़ा अपडेट
आईपीएल 2026 के 27वें मुकाबले में इनिवार रात को सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को 10 रन से मात दी। इस मुकाबले में भी चेन्नई महेंद्र सिंह धोनी के बिना मैदान में उतरी। यह लगातार छठा मैच था जब चेन्नई धोनी के बिना उतरी। ऐसे में फैंस के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिरी कब धोनी की वापसी होगी। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की चोट पर अपडेट दिया है।

रिहबिलिटेशन अच्छी चल रही
धोनी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं। धोनी की रिकवरी के बारे में बात करते हुए हसी ने कहा कि सच कहूं तो मुझे पक्का पता नहीं है। अगर फिजियो यहां बैठे हैं, तो शायद वे इसका जवाब दे सकें। लेकिन देखिए उनकी रिहबिलिटेशन अच्छी चल रही है और मैं उनकी बल्लेबाजी से खुश हूं।

वह जल्द से जल्द खेलें
हसी ने कहा कि यह सिर्फ उनकी दौड़ने की क्षमता में सुधार करने की बात है, क्योंकि अगर उन्हें पारी के अंत में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें तेजी से सिंगल और डबल रन लेने में सक्षम होना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता में आत्मविश्वास बढ़ाना होगा और अपनी गति में सुधार करना होगा। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मैं सभी फैंस की तरह उम्मीद कर रहा हूं कि वह जल्द से जल्द खेलें।

मुंबई से होगा अगला मैच: सीएसके अब 23 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेंगी। मौजूदा सीजन में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने 2 मैच जीते हैं और उनके 4 अंक हैं। 19वें सीजन में चेन्नई की शुरुआत खराब रही और टीम को पहले 3 मैच में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद चेन्नई ने वापसी की और बैक टू बैक मैच जीते। पिछला मैच चेन्नई गंवा चुकी है।

‘मायसा’ से बदलेगी रश्मिका की इमेज

भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण और परिवर्तनकारी प्रोजेक्ट में जुटी हुई हैं। अपनी अगामी पैन-इंडिया एक्शन ड्रामा फिल्म ‘मायसा’ के लिए वह जिस स्तर की तैयारी कर रही हैं, उसने इंडस्ट्री और फैंस दोनों का ध्यान खींच लिया है। यह फिल्म न सिर्फ उनके अभिनय के नए आयाम को सामने लाएगी, बल्कि उन्हें एक संश्लक्ष एक्शन स्टार के रूप में भी स्थापित कर सकती है।

■ फिल्म में रश्मिका एक आदिवासी गोंड लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से गहराई लिए हुए है और साथ ही शारीरिक रूप से बेहद सशक्त भी। इस रोल की मांग को समझते हुए उन्होंने खुद को पूरी तरह बदलने का फैसला लिया। इसी सिलसिले में वह कौंकों पहुंचीं, जहां उन्होंने एक इंटेंस स्टंट और मार्शल आर्ट्स बूटकैप में हिस्सा लिया।

■ सूत्रों के अनुसार, रश्मिका का रोजाना ट्रेनिंग शेड्यूल लगभग 8 घंटे का था, जिसमें हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट, हार्ड-स्पीड एक्शन मूवमेंट्स और एडवांस स्टंट टेक्निक्स शामिल थीं। इस दौरान उनकी ट्रेनिंग इंटरनेशनल स्टंट कोरियोग्राफर Andy Long की देखरेख में हुई, जो हॉलीवुड और एशियाई एक्शन सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

■ अब फिल्म की अगली शूटिंग केरल में होने जा रही है, जहां 16 दिनों का एक बड़ा और महत्वपूर्ण एक्शन शेड्यूल प्लान किया गया है। रश्मिका की मौजूदा ट्रेनिंग खासतौर पर इसी शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है, ताकि वह बिना किसी बॉडी डबल के अपने स्टंट खुद कर सकें और सीन को अधिक वास्तविक बना सकें।

■ फिल्म की कास्ट भी काफी मजबूत है। इसमें ईश्वरी राव, गुरु सोमसुंदरम और राव रमेश जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके जुड़ने से फिल्म की कहानी और प्रदर्शन दोनों में गहराई आने की उम्मीद है। तकनीकी टीम की बात करें तो सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी श्रेयस पी कृष्णा संभाल रहे हैं, जबकि संगीत जेक्स बिजोंय द्वारा दिया जा रहा है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार किया जा रहा है।

■ रश्मिका मंदाना की इस कड़ी मेहनत को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि ‘मायसा’ उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक मील का पत्थर है। यह प्रोजेक्ट उन्हें एक नई पहचान देने की क्षमता रखता है कि एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में जो न केवल इमोशनल परफॉर्मेंस दे सकती है, बल्कि दमदार एक्शन भी कर सकती है।

■ जैसे-जैसे फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि रश्मिका का यह नया एक्शन अवतार बड़े पर्दे पर किस तरह का प्रभाव छोड़ता है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता विजय देवरकोंडा एक बार फिर बड़े पर्दे पर कुछ अलग और भव्य लेकर आने की तैयारी में हैं। उनकी अगली फिल्म का आधिकारिक ऐलान हो चुका है, जिसे निर्देशक Shauryav बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर जिस तरह का विजयन और स्केल सामने आया है, उससे साफ है कि यह फिल्म सिर्फ एक सामान्य रिलीज नहीं, बल्कि ग्लोबल सिनेमा की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकती है।

■ फिल्म का अनाउंसमेंट पोस्टर पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। पोस्टर में विजय देवरकोंडा एक दमदार और अनदेखे अवतार में नजर आ रहे हैं। वह लोहे की जंजीरों से बंधे चार कुत्तों के साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं, जबकि उनके पीछे कई लोग चलते हुए दिखते हैं। यह विजुअल एक तरह की शक्ति, संघर्ष और नेतृत्व का प्रतीक लगता है। खास बात यह है कि यह लुक उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि इस फिल्म में उनका किरदार काफी गहराई और तीव्रता लिए होगा।

■ इस प्रोजेक्ट की एक और खासियत है ‘ड्रीम कलेक्टिव’, जिसे दुनिया भर के बेहतरीन क्वांटिटीव और टेक्निकल टैलेंट का समूह बताया जा रहा है। फिल्म के निर्माताओं के अनुसार, इस टीम का हर सदस्य अपने क्षेत्र का विशेषज्ञ है और सभी को बेहद सौच-समझकर चुना गया है। यह पहल भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक मजबूत प्रयास मानी जा रही है।

■ फिल्म की थीम को और मजबूत बनाने के लिए ‘That's a Roar’ नाम से एक थीम सॉन्ग भी जारी किया गया है। यह गीत जीवन में आने वाली कठिनाइयों, असफलताओं और संघर्षों के बावजूद हार न मानने की प्रेरणा देता है। गीत का संदेश यह है कि असली ताकत नाम या प्रसिद्धि में नहीं, बल्कि हर हाल में आगे बढ़ने की जिद में होती है। यह फिल्म की कहानी और भावनात्मक रोल को दर्शाने का एक प्रभावशाली माध्यम भी माना जा रहा है।

■ कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक पैरैलल माइथोलॉजिकल यूनिवर्स में सेट है। यह दुनिया प्राचीनता का एहसास तो कराती है, लेकिन पूरी तरह काल्पनिक और नहीं है। फिल्म पौराणिक कथाओं से प्रेरित जरूर है, लेकिन उनकी सीमाओं में बंधी नहीं है। इस तरह का वर्ल्ड-बिल्डिंग कॉन्सेप्ट भारतीय सिनेमा में कम ही देखने को मिलता है, जिससे इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है।



रविवार को तमन्ना भाटिया ने तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान वैकटेश्वर के अवतार विष्णु के दर्शन किए। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमाला की सात पहाड़ियों पर स्थित है। इसकी खास झलक तमन्ना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेर कर फैंस को खुश कर दिया है।

तमन्ना ने किए भगवान विष्णु के दर्शन
तमन्ना ने रविवार को भगवान विष्णु के अवतार भगवान वैकटेश्वर के दर्शन किए। यह प्राचीन मंदिर तिरुपति बालाजी मंदिर भगवान वैकटेश्वर को समर्पित है। तमन्ना ने इसकी खास झलक अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेर की है।

तमन्ना ने शेर की मंदिर से खास झलक
तमन्ना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मंदिर से एक खास वीडियो अपने फैंस के लिए शेर किया है। इस वीडियो में तमन्ना माथे पर लाल बिंदी लगाए लाल चुनरी पहने नजर आ रही हैं, जिसके पीछे ‘अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम्’ भजन सुनाई दे रहा है। इसके साथ ही तमन्ना ने मंदिर से एक खास तस्वीर भी शेर की है। इस तस्वीर में उनके साथ कई लोग नजर आ रहे हैं और पीछे मंदिर की खास झलक दिखाई दे रही है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी तमन्ना
तमन्ना भाटिया 2026 में ‘रंजर’ (अजय देवगन के साथ), ‘वन फोर्स ऑफ द फोरेस्ट’, और ‘रागिनी एमएमएस 3’ जैसी कई आगामी फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, वह ‘अरनमनई 5’ और एक अनटाइटलड तमिल फिल्म (विशाल के साथ) में भी काम कर रही हैं।



विजय देवरकोंडा की नई फिल्म का ऐलान

दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता विजय देवरकोंडा एक बार फिर बड़े पर्दे पर कुछ अलग और भव्य लेकर आने की तैयारी में हैं। उनकी अगली फिल्म का आधिकारिक ऐलान हो चुका है, जिसे निर्देशक Shauryav बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर जिस तरह का विजयन और स्केल सामने आया है, उससे साफ है कि यह फिल्म सिर्फ एक सामान्य रिलीज नहीं, बल्कि ग्लोबल सिनेमा की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकती है।

■ तकनीकी स्तर पर भी यह फिल्म बेहद मजबूत नजर आती है। इसमें कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ शामिल हैं। सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी Alejandro Martínez संभाल रहे हैं, जो ‘हाउस ऑफ द ड्रैगन’ और ‘फॉलआउट’ जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। वहीं विजुअल इफेक्ट्स के लिए Eric Durst को शामिल किया गया है, जिन्होंने कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। प्रोडक्शन डिजाइन का जिम्मा Suresh Selvarajan के पास है, जो भव्य सेट्स और विजुअल दुनिया बनाने के लिए जाने जाते हैं।

■ संगीत की कमान Hesham Abdul Wahab ने संभाली है, जिनकी रचनाएं अपनी भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाती हैं। एडिटिंग और कॉन्सट्र्यूट डिजाइन में भी अनुभवी पेशेवरों को शामिल किया गया है, जिससे फिल्म के हर पहलु को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है। निर्देशक शौर्ययुव, जिन्होंने अपनी पिछली फिल्म ‘हाय नन्ना’ से दर्शकों का दिल जीता था, इस बार एक बिल्कुल अलग और बड़े कनेक्शन पर काम कर रहे हैं। यह फिल्म उनके निर्देशन करियर में एक नया अध्याय साबित हो सकती है।